

सिलीगुड़ी एवं गुवाहाटी से प्रकाशित

१९
वर्षों से

भारत का
सर्वाधिक लोकप्रिय गृहस्थ-पंचांग

सिलीगुड़ी
संस्करण

श्री मोती पंचांग

विक्रम संवत् २०७८ (सन् २०२१-२२)



प्रकाशक एवं सम्पादक :

पूरन चन्द्र शर्मा (पत्रकार)

मातृछाया, ए-३८, वसुंधरा आवासन (डाबग्राम सेटेलाइट टाउनशिप)

उत्तरकन्या के पास, सिलीगुड़ी - 734015 (पश्चिम बंगाल)

मोबाईल : 98320-66383, 94343-49799

Email: motipanchang@gmail.com

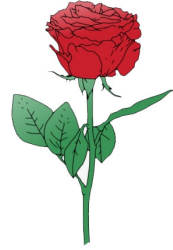
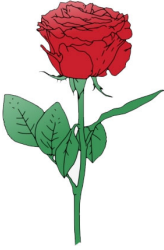


दैनिक पंचांग प्राप्त करने के लिए
हमारे व्हाट्सएप ग्रुप से जुड़ें :-

www.motipanchang.com/whatsapp

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

१६वां संस्करण



परम पूज्य पिताजी
स्व. पं. मोतीलाल जी शर्मा, विद्यावाचस्पति
(जलपाईगुड़ी वाले)
को समर्पित

प्रकाशक एवं सम्पादक :
पूरन चन्द्र शर्मा (पत्रकार)
मातृछाया, A-38, वसुंधरा आवासन
(उत्तरकन्या के पास)
सिलीगुड़ी - 734015
(पश्चिम बंगाल)
मोबाईल : 98320-66383
94343-49799

सह-सम्पादक :
नन्द किशोर शर्मा
अपूर्व आवासन, समाजपाड़ा
जलपाईगुड़ी - (पश्चिम बंगाल)
फोन : 03561-220503, 983320 - 93293

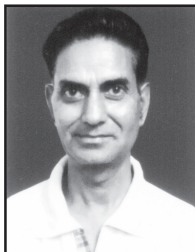
सलाहकार :
संत कुमार शर्मा (एडवोकेट)
करौली हाउस
11 क 5, ज्योति नगर (द्वितीय तल्ला)
जयपुर-302005, मोबाईल : 94140 - 60199

सहयोग राशि : 21 रुपए मात्र ।

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

श्री मोती पंचांग

भारत का सर्वाधिक लोकप्रिय गृहस्थ-पंचांग



नम्र निवेदन

परमपिता परमेश्वर की प्रेरणा एवं पूज्य पिताजी स्व० पं० मोतीलाल जी शर्मा, विद्यावाचस्पति, एवं पूजनीय माताश्री स्व० फुलेश्वरी देवी शर्मा, करौली (राजस्थान) निवासी के शुभाशीर्वाद से हर गृहस्थ के सुविधार्थ श्री मोती पंचांग के १६वां संस्करण का प्रकाशन किया गया है जिससे सभी इसका लाभ उठा सकें। पंचांग के १८वां संस्करण की मांग भी वर्ष के अंत तक बनी रही। इसकी उपयोगिता तथा लोकप्रियता इसी से सिद्ध होती है। आमलोगों की भारी मांग को देखते हुए हमने इस वर्ष भी अधिक प्रतियों का प्रकाशन किया है, जिससे अधिक संख्या में लोग इससे लाभान्वित हो सकें। सत्साहित्य का प्रकाशन एवं वितरण करना भी एक प्रकार की समाज सेवा है, साथ ही पुण्य का काम भी है। इस पंचांग के प्रकाशन में अनेकानेक धर्मानुरागियों ने अपना अमूल्य सहयोग प्रदान किया है। परम पिता परमात्मा से उनके उज्ज्वल एवं सुखद भविष्य की कामना करता हूँ। इस पंचांग को तैयार करने में पूर्णतया सावधानी बरती गई है, फिर भी किसी तरह के प्रमाद, विस्मृति एवं दृष्टि दोष वश किसी तरह की त्रुटि हो तो विद्वत्जन क्षमा करें और सुधार कर लें। विद्वत्जनों के उत्तम सुझाव प्राप्त होंगे तो उन्हें शिरोधार्य कर मैं आभारी रहूँगा। विद्वत्जनों को मेरा सादर प्रणाम।

भवदीय :
पूरन चन्द्र शर्मा (पत्रकार)
सम्पादक

॥ श्री गणेशाय नमः ॥
श्री मोती पंचांग, विक्रम संवत् २०७८
(२०२१-२०२२ का सार संक्षेप) :

१. पंचांग में तिथि, वार, नक्षत्र, योग और करण ये पांच अंग दिये जाते हैं। जन साधारण की आवश्यकता के अनुसार इस पंचांग में सिर्फ तिथि, वार, दैनिक व्रत, त्योहार, पर्व, विवाह मुहूर्त, पंचक विचार, गण्डमूल योग, सूर्य ग्रहण, चन्द्र ग्रहण आदि की जानकारी बहुत ही सरल तरीके से दी गई है। इस पंचांग में समयादि भारतीय मानक समय (IST) के घंटा, मिनटों में दिए गए हैं।
२. इस पंचांग में दिए गए व्रतोत्सव आदि काशी, राजस्थान, मध्यप्रदेश, बिहार, असम एवं बंगाल के पंचांगों पर आधारित है।
३. सूर्योदय तथा सूर्यास्त का समय प्रत्येक पक्ष की प्रतिपदा तिथि का है।
४. **मीनमलमास** - संवत् २०७७ में दिनांक १४.३.२०२१ से संवत् २०७८ में दिनांक १३.४.२०२१ तक एवं संवत् २०७८ में दिनांक १४.३.२०२२ से संवत् २०७९ में दिनांक १४.४.२०२२ तक मीनमलमास है, मीनमलमास में विवाह आदि शुभ कार्य वर्जित हैं।
५. **तारा (गुरुअस्तोदय)** - **सिलीगुड़ी** में संवत् २०७८ में दिनांक २२.०२.२०२२ को तारा (गुरु अस्त) पश्चिम में होगा तथा तारा (गुरु उदय) दिनांक २२.०३.२०२२ को पूरब में होगा। तारा अस्त अवधि में विवाहादि शुभ कार्य वर्जित हैं।
६. **तारा (शुक्रास्तोदय)** - **सिलीगुड़ी** में संवत् २०७८ में दिनांक २०.४.२०२१ को तारा (शुक्रोदय) पश्चिम में होगा। दिनांक ०५.१.२०२२ को तारा (शुक्रास्त) पश्चिम में होगा तथा ११.०१.२०२२ में तारा (शुक्रोदय) पूरब में होगा। तारा अस्त अवधि में विवाह आदि शुभ कार्य वर्जित हैं।
७. **धनुमलमास** - दिनांक १५.१२.२०२१ से दिनांक १४.१.२०२२ तक है। धनुमलमास में विवाह आदि शुभ कार्य वर्जित हैं।
८. **रक्षाबंधन** - दिनांक २१.८.२०२१ को सून माढ़ने लिए पूरा दिन शुद्ध है। दिनांक २२.८.२०२१ को को प्रातः ६.१४ बजे तक भद्रा है, अतः राखी बांधने का काम भद्रा (प्रातः ६.१४ बजे) के बाद करना चाहिए। सुबह ७.५३ बजे से सुबह ९.२६ बजे तक चंचल समगतिक मान्य है, सुबह ९.२६ बजे से दोपहर १.०६ बजे तक लाभ-अमृत एवं अभिजित वेला में एवं दोपहर २.१७ बजे से अपराह्न ३.५३ बजे तक शुभ वेला में रक्षाबंधन मुहूर्त श्रेष्ठ रहेगा।
९. **देवउठनी एकादशी एवं तुलसी विवाह** - दिनांक १४.११.२०२१ को सायं ६.०८ बजे से दिनांक १५.११.२०२१ को प्रातः ६.३६ तक भद्रा है अतः देव माढ़ने का काम तथा तुलसी विवाह दिनांक १४.११.२०२१ को भद्रा (सायं ६.०८ बजे) से पहले करना चाहिए।
दिनांक १५.११.२०२१ को प्रबोधनी (देवउठनी) एकादशी (वैष्णव), तुलसी विवाह (मन्तान्तर से)
देव माढ़ने का काम एवं तुलसी विवाह के लिए प्रातः ६.३६ के बाद सारा दिन शुद्ध है।
१०. **होली उत्सव** - दिनांक १४.०३.२०२२ (आमला की एकादशी) को दोपहर १२.०८ बजे तक भद्रा है, अतः बड़कुला-ढाल थोपने का काम भद्रा (दोपहर १२.०८ बजे) के बाद करना चाहिए। दिनांक १७.३.२०२२ को दोपहर १.३१ बजे से रात्रि १.१३ बजे तक भद्रा है, अतः जेल पोने का काम भद्रा दोपहर (१.३१ बजे) के पहले करना चाहिए।
होलिका दहन- रात्रि १.१३ बजे तक भद्रा है, अतः **होलिका दहन** रात्रि १.१३ बजे के बाद करना चाहिए। ।

॥ श्री गणेशाय नमः ॥
सरकारी वित्तीय वर्ष प्रारम्भ
(दिनांक ०१.०४.२०२१)
श्री लक्ष्मी-गणेशजी एवं बही-खता पूजन मुहूर्त

लग्न प्रवेश समय

मेष :	सुबह ७.०१ बजे से सुबह ८.३७ बजे तक ।
वृष :	सुबह ८.३७ बजे से सुबह १०.३३ बजे तक।
मिथुन :	सुबह १०.३३ बजे से दोपहर १२.४८ बजे तक।
कर्क :	दोपहर १२.४८ बजे से अपराह्न ३.०८ बजे तक ।
सिंह :	अपराह्न ३.०८ बजे से सायं ५.२५ बजे तक ।

श्रीराम नवमी
(दिनांक २१.०४.२०२१)
श्री लक्ष्मी-गणेशजी एवं बही-खता पूजन मुहूर्त

लग्न प्रवेश समय

मेष :	प्रातः ५.४२ बजे से सुबह ७.१८ बजे तक ।
वृष :	सुबह ७.१८ बजे से सुबह ९.१५ बजे तक।
मिथुन :	सुबह ९.१५ बजे से सुबह ११.२६ बजे तक।
कर्क :	सुबह ११.२६ बजे से दोपहर १.४६ बजे तक ।
सिंह :	दोपहर १.४६ बजे से सायं ४.०६ बजे तक ।

मारवाड़ी समाज पर आधारित वैवाहिक नेगचार:-

श्री मोती वैवाहिक कार्यक्रम पुस्तिका

प्रकाशक एवं सम्पादक :

पूरुज चन्द्र शर्मा (पत्रकार)

“मातृछाया” ए-३८, वसुंधरा आवासन (उत्तरकन्या के पास)

सिलीगुड़ी -734015, मोबाइल-98320-66383



॥ श्री गणेशाय नमः ॥
शुभ दीपावली
श्री लक्ष्मी पूजन मुहूर्त
(दिनांक ०४.११.२०२१)

कोलकाता का लग्न प्रवेश समय

वृष : सायं ५.३७ बजे से सायं ७.३६ बजे तक ।
मिथुन : सायं ७.३६ बजे से रात्रि ६.४६ बजे तक ।
कर्क : रात्रि ६.४६ बजे से रात्रि १२.०५ बजे तक ।
सिंह : रात्रि १२.०५ बजे से रात्रि २.१७ बजे तक ।

सिलीगुड़ी का लग्न प्रवेश समय

वृष : सायं ५.३६ बजे से सायं ७.३५ बजे तक ।
मिथुन : सायं ७.३५ बजे से रात्रि ६.४८ बजे तक ।
कर्क : रात्रि ६.४८ बजे से रात्रि १२.०४ बजे तक ।
सिंह : रात्रि १२.०४ बजे से रात्रि २.१६ बजे तक ।

वाराणसी का लग्न प्रवेश समय

वृष : सायं ५.५४ बजे से सायं ७.५२ बजे तक ।
मिथुन : सायं ७.५२ बजे से रात्रि १०.०६ बजे तक ।
कर्क : रात्रि १०.०६ बजे से रात्रि १२.२४ बजे तक ।
सिंह : रात्रि १२.२४ बजे से रात्रि २.३८ बजे तक ।

जयपुर का लग्न प्रवेश समय

वृष : सायं ६.२० बजे से रात्रि ८.१७ बजे तक ।
मिथुन : रात्रि ८.१७ बजे से रात्रि १०.३२ बजे तक ।
कर्क : रात्रि १०.३२ बजे से रात्रि १२.५१ बजे तक ।
सिंह : रात्रि १२.५१ बजे से शेषरात्रि ३.०७ बजे तक ।

लाखों पाठकों का अद्वैत विश्वास
श्री मोती पंचांग

अब डिजिटल संस्करण में भी उपलब्ध

॥ श्री गणेशाय नमः ॥
सूर्यग्रहण एवं चन्द्रग्रहण

संवत् २०७८ में विश्व में दो सूर्यग्रहण एवं दो चन्द्रग्रहण दिखलाई देंगे। जिनमें दोनों ही चन्द्रग्रहण भारत के पूर्वोत्तर भाग में अल्प समय के लिए दिखाई देंगे। जहां ग्रहण दिखलाई न दे वहां इसके निमित्त सूतक, दान, पूजा मानने व करने की कोई आवश्यकता नहीं है।

१. **चन्द्रग्रहण**-बैशाख शुक्लपक्ष पूर्णिमा (बुधवार), सम्वत् २०७८, २६ मई २०२१ को लगने वाला खग्रास चन्द्रग्रहण चन्द्रोदय के समय आंशिक रूप से भारत के सुदूर पूर्वोत्तर भाग और पश्चिम बंगाल के कुछ भागों में ही दिखाई देगा। भारत के अतिरिक्त यह ग्रहण उत्तर-दक्षिण अमेरिका, एशिया, ऑस्ट्रेलिया, अंटार्कटिका, प्रशांत महासागर और हिन्द महासागर में दिखाई देगा। ग्रहण का प्रारंभ चन्द्रास्त के समय ब्राजील के पश्चिमी भाग, अमेरिका और कनाडा के पूर्वी भाग में दिखाई देगा। ग्रहण का मोक्ष चन्द्रोदय के समय हिन्द महासागर, श्रीलंका, भारत के सुदूर पूर्वोत्तर भाग, चीन, मंगोलिया और रूस में दिखाई देगा। भारतीय मानक समयानुसार ग्रहण का प्रारंभ अपराह्न ०३.१५ बजे मध्य सायं ०४.४६ तथा मोक्ष सायं ०६.२३ पर होगा।

नोट : इस चन्द्रग्रहण का सूतक २६ मई २०२१ को प्रातः ६.१५ बजे से प्रारंभ होगा। **भारत के प्रमुख नगरों पर खग्रास के रूप में चन्द्रग्रहण का विवरण नीचे दिया जा रहा है।**

प्रमुख शहर	चन्द्रोदय	स्पर्श	मध्य	मोक्ष
अगरतला	६.०६	दृश्य
आइजॉल	५.५६	दृश्य
कोलकाता	६.१५	दृश्य
चेरापूजी	६.०६	दृश्य
कूचबिहार	६.१८	दृश्य
डायमण्डहार्वर	६.१५	दृश्य
दीघा	६.१६	दृश्य
गुवाहाटी	६.०६	दृश्य
इंफाल	५.५६	दृश्य
इटानगर	६.०२	दृश्य
लामडिंग	६.०१	दृश्य
मालदाह	६.२१	दृश्य
उत्तर लखीमपुर	६.००	दृश्य
पाशीघाट	६.५७	दृश्य
पोर्टब्लेयर	५.३८	दृश्य
शिवसागर	५.५८	दृश्य
सिल्टचर	६.०१	दृश्य

२. **चन्द्रग्रहण**—कार्तिक शुक्लपक्ष पूर्णिमा (शुक्रवार), सम्वत् २०७८, १६ नवम्बर २०२१ को लगने वाला खण्डग्रास चन्द्रग्रहण भारत के सुदूर पूर्वोत्तर भाग में अल्प समय के लिए दृश्य होगा। यह ग्रहण अमेरिका, उत्तरी यूरोप, पूर्वी एशिया, ऑस्ट्रेलिया तथा प्रशांत महासागर में दिखाई देगा। भारतीय मानक समयानुसार ग्रहण का प्रारंभ दोपहर १२.४८ बजे पर, मध्य दोपहर २.३३ पर तथा मोक्ष सायं ४.१७ बजे पर होगा।

पूर्वोत्तर भागों के अरुणाचल प्रदेश एवं आसाम के कुछ स्थानों में ग्रहण का मोक्ष अल्प समय के लिए दृश्य होगा जिसका विवरण नीचे दिया जा रहा है।

ग्रहण के क्षेत्र	चन्द्रोदय समय	ग्रहण मोक्ष	ग्रहण स्थिति
अरुणाचल प्रदेश	३.४६	४.१७	०.२८
आसाम	३.५६	४.१७	०.१८

नोट : इस ग्रहण का सूतक १८ नवम्बर २०२१ को शेषरात्रि ३.४८ बजे से प्रारंभ होगा।

३. **सूर्यग्रहण**—ज्येष्ठ कृष्णपक्ष अमावस्या (गुरुवार), सम्वत् २०७८, १० जून २०२१ को लगने वाला कंकणाकृति सूर्यग्रहण भारत में दृश्य नहीं होगा। यह ग्रहण अमेरिका के उत्तर-पूर्वी भाग, उत्तरी एशिया और उत्तरी अटलांटिका महासागर में दिखाई देगा। भारतीय मानक समयानुसार ग्रहण का प्रारंभ दोपहर १.४३ बजे पर, मध्य सायं ४.१२ एवं मोक्ष सायं ६.४१ बजे पर होगा।

नोट : इस सूर्यग्रहण का सूतक ६ जून २०२१ को रात्रि १.४३ बजे से प्रारंभ होगा।

४. **सूर्यग्रहण**—मार्गशीर्ष कृष्णपक्ष अमावस्या (शनिवार), सम्वत् २०७८, ४ दिसम्बर २०२१ को लगने वाला खग्रास सूर्यग्रहण भारत में दृश्य नहीं होगा। यह ग्रहण अंटार्कटिका, दक्षिण अफ्रीका तथा ऑस्ट्रेलिया के अधिकतम भाग, दक्षिण अटलांटिक महासागर और दक्षिण हिन्द महासागर में दिखाई देगा। भारतीय मानक समयानुसार इस ग्रहण का प्रारंभ सुबह १०.५६ बजे पर, मध्य दोपहर १.०४ बजे तथा मोक्ष अपराह्न ३.०७ बजे पर होगा।

नोट—इस सूर्यग्रहण का सूतक ३ दिसम्बर २०२१ को रात्रि १०.५६ बजे से प्रारंभ होगा।

लाखों पाठकों का अटूट विश्वास

श्री मोती पंचांग

अब डिजिटल संस्करण में भी उपलब्ध

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

माता-बहनों के सुविधार्थ यहां चौथ का व्रत (कृष्णा चतुर्थी व्रत) का चंद्रोदय समय विभिन्न नगरों का दिया गया है।

स्थान	दि० ३०.४	दि० २६.५	दि० २७.६	दि० २७.७	दि० २५.८	दि० २४.९	दि० २४.१०	दि० २३.११	दि० २२.१२	दि० २१.०१	दि० २०.२	दि० २१.३
गुवाहाटी	६.४०	६.२७	८.५७	८.४६	७.५१	७.२४	७.१४	७.३२	७.१७	८.०२	८.४८	८.४२
डिब्रूगढ़	६.३०	६.१७	८.४७	८.३७	७.३८	७.१०	६.५७	७.१६	७.०१	७.४७	८.३५	८.३१
सिलीगुड़ी	६.४४	६.३१	६.०३	८.५६	८.०३	७.४१	७.३४	७.५४	७.३७	८.१८	८.५६	८.५०
गंगटोक	६.४३	६.३०	६.०२	८.५८	८.०२	७.४०	७.३३	७.५३	७.३६	८.१७	८.५८	८.४६
कोलकाता	६.४५	६.३२	६.०४	६.००	८.०४	७.४२	७.३५	७.५५	७.३८	८.१६	८.००	८.५१
जयपुर	१०.४६	१०.३५	१०.०५	६.५५	८.५६	८.२६	८.१८	८.३७	८.२२	६.०७	६.५५	६.५०
दिल्ली	१०.४७	१०.३४	१०.०३	६.५०	८.५०	८.२१	८.०८	८.२६	८.१२	६.००	६.५०	६.४७

गुरुअस्तोदय एवं शुक्रास्तोदय की स्थानीय गणना

स्थान	शुक्र पश्चिम उदय		शुक्र पश्चिम अस्त		शुक्र पूरब उदय		गुरु पश्चिम अस्त		गुरु पूरब उदय	
	दिनांक	समय	दिनांक	समय	दिनांक	समय	दिनांक	समय	दिनांक	समय
गुवाहाटी	२०.४.२१	२१.१६	०५.०१.२२	२६.०२	११.१.२२	१५.३२	२२.२.२२	२१.१६	२३.३.२२	२७.१२
डिब्रूगढ़	२०.४.२१	२४.३३	०५.०१.२२	२६.५०	११.१.२२	१४.४४	२२.२.२२	१६.५८	२४.३.२२	१६.१४
सिलीगुड़ी	२०.४.२१	१३.५२	०५.०१.२२	२३.३५	११.१.२२	१७.५७	२२.२.२२	२४.१६	२३.३.२२	१६.१६
गंगटोक	२०.४.२१	१३.५१	०५.०१.२२	२३.३४	११.१.२२	१७.५६	२२.२.२२	२४.१५	२३.३.२२	१६.१८
कोलकाता	२०.४.२१	१३.५३	०५.०१.२२	२३.३६	११.१.२२	१७.५८	२२.२.२२	२४.१७	२३.३.२२	१६.२०
जयपुर	२०.४.२१	२३.०५	०५.०१.२२	२६.२६	११.१.२२	१५.०४	२२.२.२२	२०.३५	२४.३.२२	१०.२७
दिल्ली	२०.४.२१	२७.४५	०५.०१.२२	२७.३०	११.१.२२	१४.०३	२२.२.२२	१८.३६	२४.३.२२	२८.३४

नोट : २४ बजे = रात्रि १२ बजे, २५ बजे = रात्रि १ बजे, रात्रि २६ बजे = रात्रि २ बजे, २७ बजे = रात्रि ३ बजे, २८ बजे = शेषरात्रि ४ बजे, २९ बजे = प्रातः ५ बजे, ३० बजे = प्रातः ६ बजे, ३१ बजे = सुबह ७ बजे।

जो संसार से सुख चाहता है, वह कभी सुखी नहीं होगा,
और जो दूसरों को सुख पहुंचाता है, पर सुख चाहता नहीं,
वह कभी दुःखी नहीं होगा - यह नियम है।

- परम श्रद्धेय स्वामी रामसुख दासजी महाराज

॥ श्री गणेशाय नमः ॥
विक्रम संवत् २०७८ के विवाह मुहूर्त

अप्रैल २०२१	२२, २४, २५, २६, २७, २८, ३०
मई २०२१	१, २, ३, ७, ८, १५, २१, २२, २३, २४, २६, २८, ३०
जून २०२१	४, ५, १५, १८, १९, २०, २४, २६, ३०
जुलाई २०२१	१, २, १५ (आगे देवशयन है)।
नवम्बर २०२१	१९, २०, २१, २२, २८, २९, ३०
दिसम्बर २०२१	१, ६, ७, ११, १२, १३ (आगे धनुमलमास है)।
जनवरी २०२२	२२, २३, २५
फरवरी २०२२	४, ५, ६, ९, १०, १६, १८, १९ (आगे गुरुअस्त है)।
मार्च २०२२	(गुरुअस्त जारी एवं आगे मीन मलमास है)।

श्री मोती पंचांग का सिलीगुड़ी एवं गुवाहाटी संस्करण

श्री मोती पंचांगको अपने प्रियजनों की पुण्य स्मृति तथा उपहार में वितरित करने के इच्छुक सज्जन सम्पर्क करें:-

मोबाइल: 98320-66383, 94343-49799

पुनर्मुद्रणादि सर्वाधिकार सुरक्षित :-

© पूरन चन्द्र शर्मा (पत्रकार)

“पंछी कभी अपने बच्चों के भविष्य
लिए घोंसले बनाकर नहीं देते,
वे तो बस उन्हें उड़ने की
कला सिखाते हैं”।

॥ श्री गणेशाय नमः ॥
राशि बोधक चक्र

मेष	:	चु	चे	चो	ला	ली	लु	ले	लो	अ
वृष	:	ई	उ	ए	ओ	व	वि	वू	वे	वो ऋ
मिथुन	:	क	कि	कु	घ	ङ	छ	के	को	ह क्ष
कर्क	:	ही	हु	हे	हो	ड	डी	डू	डे	डो
सिंह	:	म	मि	मु	मे	मो	ट	टी	टू	टे
कन्या	:	टो	प	पि	(प्र)	पू	ष	ण	ठ	पे पो
तुला	:	र	री	रू	रे	रो	ता	ति	तु	ते
वृश्चिक	:	तो	न	नि	नु	ने	नो	य	या	यि यु
धनु	:	ये	यो	भ	भि	भू	ध	फ	ढ	भे
मकर	:	भो	ज	जि	जु	जे	जो	खा	खी	खु खे खो गा गि ज्ञ
कुंभ	:	गु	गे	गो	सा	सी	सु	से	सो	सि द श्र
मीन	:	दी	दू	थ	झ	ञ	दे	दो	चा	ची

गृह-प्रवेश विचार

नये घर में प्रथम बार प्रवेश करना हो तो उत्तरायण के शुभ मुहूर्त में करें। पहले दिन विधिपूर्वक वास्तु-पूजा और बलि (नैवेद्य) अर्पण करके गृह में प्रवेश करना चाहिये। **गृह प्रवेश में विहित मास:** माघ, फाल्गुन, बैशाख और ज्येष्ठ - इन चार मासों में गृहप्रवेश श्रेष्ठ होता है तथा अगहन और कार्तिक इन दो मासों में मध्यम होता है। **विहित नक्षत्र-**मृगशिरा, पुष्य, रेवती, शतभिषा, चित्रा, अनुराधा और स्थिर-संज्ञक (तीनों उत्तरा और रोहिणी) नक्षत्र में गुरु और शुक्र दोनों उदित हों तब रवि और मंगल को छोड़कर अन्य वारों में रिक्ता तिथि (४, ६, १४) तथा अमावास्या को छोड़कर अन्य तिथियों में दिन में या रात्रि के समय गृहप्रवेश शुभप्रद होता है।

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

प्रतिपदा नवरात्रि में देवी के आने एवं दशमी में देवी के जाने का वाहन व फलादेश

वार	सवारी	फलादेश
रविवार-सोमवार	देवी हाथी पर आती है।	अधिक वर्षा
शनिवार-मंगलवार	देवी घोड़े पर आती है।	राज्य का विनाश
गुरुवार-शुक्रवार	देवी डोली पर आती है।	मृत्यु तुल्य कष्ट
बुधवार	देवी नौका पर आती है।	सर्वसिद्धि, कल्याण होता है

॥ दुर्गा गमन विचार ॥

वार	सवारी	फलादेश
रविवार-सोमवार	देवी बैसे पर जाती है।	शोक, चिन्ता
शनिवार-मंगलवार	देवी मुर्गे पर सवार होकर जाती है।	व्याकुलता, व्याग्रता
गुरुवार-शुक्रवार	देवी हाथी पर जाती है।	अच्छी वर्षा होती है
बुधवार	देवी मनुष्य के कन्धे पर जाती है	शुभ मंगल, अति सुख

॥ राहुकाल विचार ॥

दिन	समय	बजे तक
सोमवार	सुबह	७.३० से ६.०० बजे तक
मंगलवार	अपरान्ह	३.०० से ४.३० बजे तक
बुधवार	दोपहर	१२.०० से १.३० बजे तक
गुरुवार	दोपहर	१.३० से ३.०० बजे तक
शुक्रवार	सुबह	१०.३० से १२.०० बजे तक
शनिवार	सुबह	६.०० से १०.३० बजे तक
रविवार	सायं	४.३० से ६.०० बजे तक

प्रतिदिन डेढ़ घण्टे के लिए राहु काल रहता है अतः शुभ कार्य में यथासंभव टाल देना चाहिए।

“चिन्ता इतनी करो

कि काम हो जाए,

इतनी नहीं कि

जिंदगी तमाम हो जाए”।

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

उपवास (व्रत)

१. अनेक बार जल पीने से, पान खाने से, दिन में सोने से और मैथुन करने से उपवास (व्रत) दूषित हो जाता है। २. जल, फल, मूल, दूध, हविष्य (घी), ब्राह्मण की इच्छापूर्ति, गुरु का वचन तथा औषध - ये आठ व्रत के नाशक नहीं हैं। ३. क्षमा, सत्य, दया, दान, शौच, इन्द्रिय-संयम, देवपूजा, अग्निहोत्र, संतोष तथा चोरी न करना-ये दस नियम सम्पूर्ण व्रतों में आवश्यक माने गये हैं। ४. उपवास करने वाले मनुष्य को कांसे का बर्तन, मसूर, चना, कोदो, साग, मधु, पराया अन्न तथा स्त्रीसंग का त्याग करना चाहिए। उसे फूल, अलंकार, सुन्दर वस्त्र, सुगन्ध, दातुन आदि का भी त्याग कर देने चाहिए। ५. उपवास के दिन शरीर में तेल लगाकर नहाना छोड़ दे, क्योंकि यह कुसूप बनाने वाला (सौन्दर्य का विनाशक) है। ६. उपवास के दिन लकड़ी की दातुन नहीं करनी चाहिए, अन्यथा नर्क की प्राप्ति होती है।

जानने योग्य बातें

१. स्त्रियों को हनुमानजी, शिवलिंग और शालग्राम का कदापि स्पर्श नहीं करना चाहिए।
२. स्त्री हनुमान चालीसा का पाठ कर सकती है। परंतु स्त्री की अशुद्ध अवस्था में पति को पाठ करना चाहिए।
३. देव पूजा उत्तर मुख होकर और पितृ पूजा दक्षिण मुख होकर करनी चाहिए।
४. घर में अंगूठे के पर्व से लेकर एक बित्ता परिमाण की भी प्रतिमा होनी चाहिए। इससे बड़ी प्रतिमा घर में शुभ नहीं है।
५. देव कार्य में चांदी को दूर रखना चाहिए। चांदी पितरों का परमप्रिय है तथा ताम्बा भगवान को बहुत प्रिय है।

सूर्यग्रहण एवं चन्द्रग्रहण विचार

धार्मिक जनों को सूतक काल में भोजन आदि ग्रहण नहीं करना चाहिए। जहां ग्रहण दिखलाई न दे वहां इसके निमित्त सूतक, दान पूजा, मानने व करने की कोई आवश्यकता नहीं है। ग्रहण के उपरान्त यथाशक्ति अन्न, जल, वस्त्र, फल आदि का दान सुपात्र को करना चाहिए। गर्भवती महिलाओं को ग्रहण नहीं देखना चाहिए। सब्जी काटना, पापड़ सेंकना आदि उत्तेजक कार्यों से परहेज करना चाहिए तथा धार्मिक ग्रंथ का पाठ करना चाहिए, इससे भावी संतति स्वस्थ तथा सद्गुणी होती है।

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

पंचक विचार

(दिनांक १३.०४.२०२१ से दिनांक ०१.४.२०२२ तक)

१. दिनांक ०४.०५.२०२१ को रात्रि ८.३६ बजे से दि.०६.०५.२०२१ को सायं ५.२६ बजे तक।
२. दिनांक ३१.५.२०२१ को शेषरात्रि ३.५७ बजे से दि. ५.६.२०२१ को रात्रि ११.३० बजे तक।
३. दिनांक २८.६.२०२१ को दोपर १.०० बजे से दि. ३.७.२०२१ को प्रातः ६.१४ बजे तक।
४. दिनांक २५.७.२०२१ को रात्रि १०.४८ बजे से दि. ३०.७.२०२१ को दोहपर २.०० बजे तक।
५. दिनांक २२.८.२०२१ को सुबह ७.५६ बजे से दि. २६.८.२०२१ को रात्रि १०.२५ बजे तक।
६. दिनांक १८.९.२०२१ को अपराह्न ३.२२ बजे से दिनांक २३.९.२०२१ को प्रातः ६.४२ बजे तक।
७. दिनांक १५.१०.२०२१ को रात्रि ६.१० बजे से दि. २०.१०.२०२१ को दोहपर २.०२ बजे तक।
८. दिनांक ११.११.२०२१ को रात्रि २.४७ बजे से दिनांक १६.११.२०२१ को रात्रि ८.१५ बजे तक।
९. दिनांक ०६.१२.२०२१ को सुबह १०.०६ बजे से दि.१३.१२.२०२१ को रात्रि २.०५ बजे तक।
१०. दिनांक ०५.०१.२०२२ को सायं ७.५४ बजे से दि. १०.०१.२०२२ को सुबह ८.४८ बजे तक।
११. दिनांक ०२.०२.२०२२ को प्रातः ६.४४ बजे से दि. ०६.०२.२०२२ को सायं ५.०७ बजे तक।
१२. दिनांक ०१.०३.२०२२ को सायं ४.३० बजे से दि ०५.०३.२०२२ को रात्रि २.२६ बजे तक।
१३. दिनांक २८.०३.२०२२ को रात्रि ११.५१ बजे से दि. ०२.०४.२०२२ को सुबह ११.२० बजे तक।

“गलत लोगों की जीत
उसी वक्त तय हो जाती है
जब सही लोग चुप हो जाते हैं”।

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

व्यतिपात (मितिपात) विचार

(दिनांक १३.४.२०२१ से दिनांक ०१.४.२०२२ तक)

१. दिनांक २७.४.२०२१ को सायं ७.५६ बजे से दि. २८.४.२०२१ को अपराह्न ३.४५ बजे तक।
३. दिनांक २३.५.२०२१ को दोपहर २.५२ बजे से दि. २४.५.२०२१ को सुबह ११.०८ बजे तक।
४. दिनांक १८.६.२०२१ को प्रातः ५.०१ बजे से रात्रि २.४५ बजे तक।
५. दिनांक १३.७.२०२१ को दोपहर २.४६ बजे से दि. १४.७.२०२१ को दोपहर १.२७ बजे तक।
६. दिनांक ०७.८.२०२१ को रात्रि १२.३३ बजे से दि. ०८.८.२०२१ को रात्रि ११.३४ बजे तक।
७. दिनांक ०२.९.२०२१ को सुबह १०.०६ बजे से दि. ०३.९.२०२१ को सुबह १०.०७ बजे तक।
८. दिनांक २७.९.२०२१ को सायं ४.४४ बजे से दि. २८.९.२०२१ को सायं ५.४५ बजे तक।
९. दिनांक २२.१०.२०२१ को रात्रि ६.३५ बजे से दि. २३.१०.२०२१ को रात्रि १०.२६ बजे तक।
१०. दिनांक १६.११.२०२१ को रात्रि १.४६ बजे से दि. १७.११.२०२१ को रात्रि २.१६ बजे तक।
११. दिनांक १२. १२. २०२१ को प्रातः ५.५८ बजे से दि. १३. १२. २०२१ को प्रातः ५.४२ बजे तक।
१२. दिनांक ०६.१.२०२२ को अपराह्न ३.२१ बजे से दि. ०७.१.२०२२ को दोपहर १.०८ बजे तक।
१३. दिनांक ०१.२.२०२२ को प्रातः ६.३८ बजे से शेषरात्रि ३.०५ बजे तक।
१४. दिनांक २६.२.२०२२ को रात्रि ८.४८ बजे से दि. २७.२.२०२२ को सायं ५.३५ बजे तक।
१५. दिनांक २४.३.२०२२ को सुबह ७.२५ बजे से दि. २५.३.२०२२ को प्रातः ४.३३ बजे तक।

“अच्छे दिनों के लिए
बुरे दिनों से
लड़ना पड़ता है”।

भद्रा विचार

[illegible]

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

दिनांक २१.८.२०२१ को सायं ७.०१ बजे से प्रारंभ एवं दिनांक २२.८.२०२१ को प्रातः ६.१४ बजे समाप्त ।
दिनांक २५.८.२०२१ को प्रातः ४.०६ बजे से प्रारंभ एवं सायं ४.१८ बजे समाप्त ।
दिनांक २८.८.२०२१ को रात्रि ८.५५ बजे से प्रारंभ एवं दिनांक २९.८.२०२१ को सुबह १०.०८ बजे समाप्त ।
दिनांक १.९.२०२१ को सायं ५.२६ बजे से प्रारंभ एवं दिनांक २.९.२०२१ को प्रातः ६.२४ बजे समाप्त ।
दिनांक ५.९.२०२१ को सुबह ८.२१ बजे से प्रारंभ एवं रात्रि ८.०४ बजे समाप्त ।
दिनांक १०.९.२०२१ को सुबह ११.०७ बजे से प्रारंभ एवं रात्रि ६.५६ बजे समाप्त ।
दिनांक १३.९.२०२१ को अपराह्न ३.११ बजे से प्रारंभ एवं रात्रि २.०६ बजे समाप्त ।
दिनांक १६.९.२०२१ को रात्रि ८.४८ बजे से प्रारंभ एवं दिनांक १७.९.२०२१ को सुबह ८.०६ बजे समाप्त ।
दिनांक २०.९.२०२१ को प्रातः ५.२७ बजे से प्रारंभ एवं सायं ५.२२ बजे समाप्त ।
दिनांक २३.९.२०२१ को सायं ७.३७ बजे से प्रारंभ एवं दिनांक २४.९.२०२१ को सुबह ८.२८ बजे समाप्त ।
दिनांक २७.९.२०२१ को अपराह्न ३.३६ बजे से प्रारंभ एवं दिनांक २८.९.२०२१ को प्रातः ४.५८ बजे समाप्त ।
दिनांक १.१०.२०२१ को सुबह १०.४३ बजे से प्रारंभ एवं रात्रि ११.०५ बजे समाप्त ।
दिनांक ४.१०.२०२१ को रात्रि ६.०४ बजे से प्रारंभ एवं दिनांक ५.१०.२०२१ को सुबह ८.०८ बजे समाप्त ।
दिनांक ६.१०.२०२१ को सायं ६.२० बजे से प्रारंभ एवं दिनांक १०.१०.२०२१ को प्रातः ४.५५ बजे समाप्त ।
दिनांक १२.१०.२०२१ को रात्रि ६.४७ बजे से प्रारंभ एवं दिनांक १३.१०.२०२१ को सुबह ८.५३ बजे समाप्त ।
दिनांक १६.१०.२०२१ को प्रातः ५.४२ बजे से प्रारंभ एवं सायं ५.३३ बजे समाप्त ।
दिनांक १९.१०.२०२१ को सायं ७.०४ बजे से प्रारंभ एवं दिनांक २०.१०.२०२१ को सुबह ७.४४ बजे समाप्त ।
दिनांक २३.१०.२०२१ को दोपहर १.४१ बजे से प्रारंभ एवं रात्रि २.५८ बजे समाप्त ।
दिनांक २७.१०.२०२१ को सुबह १०.४८ बजे से प्रारंभ एवं रात्रि ११.५२ बजे समाप्त ।
दिनांक ३०.१०.२०२१ को रात्रि २.४४ बजे से प्रारंभ एवं दिनांक ३१.१०.२०२१ को दोपहर २.२६ बजे समाप्त ।
दिनांक ३.११.२०२१ को सुबह ६.०१ बजे से प्रारंभ एवं सायं ७.३५ बजे समाप्त ।
दिनांक ७.११.२०२१ को रात्रि २.५० बजे से प्रारंभ एवं दिनांक ८.११.२०२१ को दोपहर १.२० बजे समाप्त ।
दिनांक ११.११.२०२१ को प्रातः ६.४८ बजे से प्रारंभ एवं सायं ६.१४ बजे समाप्त ।
दिनांक १४.११.२०२१ को सायं ६.०८ बजे से प्रारंभ एवं दिनांक १५.११.२०२१ को प्रातः ६.३६ बजे समाप्त ।
दिनांक १८.११.२०२१ को दोपहर १२.०५ बजे से प्रारंभ एवं रात्रि १.१६ बजे समाप्त ।
दिनांक २२.११.२०२१ सुबह ६.०४ बजे से प्रारंभ एवं रात्रि १०.२३ बजे समाप्त ।
दिनांक २६.११.२०२१ को प्रातः ४.४४ बजे से प्रारंभ एवं सायं ५.२० बजे समाप्त ।
दिनांक २९.११.२०२१ को सायं ४.५६ बजे से प्रारंभ एवं दिनांक ३०.११.२०२१ को प्रातः ४.१५ बजे समाप्त ।
दिनांक २.१२.२०२१ को रात्रि ८.२७ बजे से प्रारंभ एवं दिनांक ३.१२.२०२१ को प्रातः ६.४४ बजे समाप्त ।
दिनांक ७.१२.२०२१ को दोपहर १.०७ बजे से प्रारंभ एवं रात्रि ११.४५ बजे समाप्त ।

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

[illegible]

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

गण्डमूल योग (दिनांक १३.०४.२०२१ से दिनांक ०१.०४.२०२२ तक)

गत दिनांक ११.४.२०२१ को सुबह ८.५६ बजे से प्रारंभ एवं दिनांक १३.४.२०२१ को दोपहर २.१५ बजे समाप्त।
 दिनांक २१.४.२०२१ को सुबह ७.५८ बजे से प्रारंभ एवं दिनांक २३.४.२०२१ को सुबह ७.४० बजे समाप्त।
 दिनांक २६.४.२०२१ को दोपहर २.२८ बजे से प्रारंभ एवं दिनांक ०१.५.२०२१ को सुबह १०.१५ बजे समाप्त।
 दिनांक ०८.५.२०२१ को दोपहर २.४७ बजे से प्रारंभ एवं दिनांक १०.५.२०२१ को रात्रि ८.२५ बजे समाप्त।
 दिनांक १८.५.२०२१ को दोपहर २.५४ बजे से प्रारंभ एवं दिनांक २०.५.२०२१ को अपराह्न ३.५८ बजे समाप्त।
 दिनांक २६.५.२०२१ को रात्रि १.१६ बजे से प्रारंभ एवं दिनांक २८.५.२०२१ को रात्रि ८.०४ बजे समाप्त।
 दिनांक ०४.६.२०२१ को रात्रि ८.४७ बजे से प्रारंभ एवं दि. ०६.६.२०२१ को रात्रि २.३० बजे समाप्त।
 दिनांक १४.६.२०२१ को रात्रि ८.३७ बजे से प्रारंभ एवं दिनांक १६.६.२०२१ को रात्रि १०.१८ बजे समाप्त।
 दिनांक २३.६.२०२१ को सुबह ११.५० बजे से प्रारंभ एवं दिनांक २५.६.२०२१ को प्रातः ६.४४ बजे समाप्त।
 दिनांक ०१.७.२०२१ को शेषरात्रि ३.४८ बजे से प्रारंभ एवं दिनांक ०४.७.२०२१ को सुबह ६.०८ बजे समाप्त।
 दिनांक ११.७.२०२१ को रात्रि २.२१ बजे से प्रारंभ एवं दिनांक १३.७.२०२१ को शेषरात्रि ३.४४ बजे समाप्त।
 दिनांक २०.७.२०२१ को रात्रि ८.३४ बजे से प्रारंभ एवं दिनांक २२.७.२०२१ को सायं ४.२७ बजे समाप्त।
 दिनांक २६.७.२०२१ को सुबह ११.५६ बजे से प्रारंभ एवं दिनांक ३१.७.२०२१ को सायं ४.३७ बजे समाप्त।
 दिनांक ०८.८.२०२१ को सुबह ६.१७ बजे से प्रारंभ एवं दिनांक १०.८.२०२१ को सुबह ६.५२ बजे समाप्त।
 दिनांक १६.८.२०२१ को शेषरात्रि ३.०२ बजे से प्रारंभ एवं दिनांक १८.८.२०२१ को रात्रि १२.०७ बजे समाप्त।
 दिनांक २५.८.२०२१ को रात्रि ८.४५ बजे से प्रारंभ एवं दिनांक २७.८.२०२१ को रात्रि १२.४३ बजे समाप्त।
 दिनांक ०४.९.२०२१ को सायं ५.४३ बजे से प्रारंभ एवं दिनांक ०६.९.२०२१ को सायं ५.४६ बजे समाप्त।
 दिनांक १३.९.२०२१ को सुबह ८.२२ बजे से प्रारंभ एवं दिनांक १५.९.२०२१ को प्रातः ५.५३ बजे समाप्त।
 दिनांक २२.९.२०२१ को प्रातः ५.०५ बजे से प्रारंभ एवं दिनांक २४.९.२०२१ को सुबह ८.५० बजे समाप्त।
 दिनांक ०१.१०.२०२१ को रात्रि २.५७ बजे से प्रारंभ एवं दिनांक ०३.१०.२०२१ को शेषरात्रि ३.४८ बजे समाप्त।
 दिनांक १०.१०.२०२१ को दोपहर २.४२ बजे से प्रारंभ एवं दिनांक १२.१०.२०२१ को सुबह ११.२५ बजे समाप्त।
 दिनांक १६.१०.२०२१ को दोपहर १२.१२ बजे से प्रारंभ एवं दिनांक २१.१०.२०२१ को सायं ४.१७ बजे समाप्त।
 दिनांक २६.१०.२०२१ को सुबह ११.३८ बजे से प्रारंभ एवं दिनांक ३१.१०.२०२१ को दोपहर १.१६ बजे समाप्त।
 दिनांक ०६.११.२०२१ को रात्रि ११.३६ बजे से प्रारंभ एवं दिनांक ०८.११.२०२१ को सायं ६.५० बजे समाप्त।
 दिनांक १५.११.२०२१ को सायं ६.०८ बजे से प्रारंभ एवं दिनांक १७.११.२०२१ को रात्रि १०.४५ बजे समाप्त।
 दिनांक २५.११.२०२१ को सायं ६.४७ बजे से प्रारंभ एवं दिनांक २७.११.२०२१ को रात्रि ६.४३ बजे समाप्त।
 दिनांक ०४.१२.२०२१ को सुबह १०.४६ बजे से प्रारंभ एवं दिनांक ०६.१२.२०२१ को प्रातः ४.५७ बजे समाप्त।
 दिनांक १२.१२.२०२१ को रात्रि ११.५८ बजे से प्रारंभ एवं दिनांक १५.१२.२०२१ को प्रातः ४.४२ बजे समाप्त।
 दिनांक २२.१२.२०२१ को रात्रि १२.४२ बजे से प्रारंभ एवं दिनांक २५.१२.२०२० को प्रातः ४.१० बजे समाप्त।
 दिनांक ३१.१२.२०२१ को रात्रि १०.०४ बजे से प्रारंभ एवं दिनांक ०२.१.२०२२ को सायं ४.२५ बजे समाप्त।
 दिनांक ०६.१.२०२२ को सुबह ७.०८ बजे से प्रारंभ एवं दिनांक ११.१.२०२२ को सुबह ११.०६ बजे समाप्त।
 दिनांक १६.१.२०२२ को प्रातः ६.४० बजे से प्रारंभ एवं दिनांक २१.१.२०२२ को सुबह ६.४३ बजे समाप्त।
 दिनांक २८.१.२०२२ को सुबह ७.१० बजे से प्रारंभ एवं दिनांक २६.१.२०२२ को रात्रि २.५० बजे समाप्त।
 दिनांक ०५.२.२०२२ को सायं ४.०६ बजे से प्रारंभ एवं दिनांक ०७.२.२०२२ को सायं ६.५५ बजे समाप्त।
 दिनांक १५.२.२०२२ को दोपहर १.४६ बजे से प्रारंभ एवं दिनांक १७.२.२०२२ को सायं ४.०६ बजे समाप्त।
 दिनांक २४.२.२०२२ को दोपहर १.३१ बजे से प्रारंभ एवं दिनांक २६.२.२०२२ को सुबह १०.३३ बजे समाप्त।
 दिनांक ०४.३.२०२२ को रात्रि १.४६ बजे से प्रारंभ एवं दिनांक ०६.३.२०२२ को शेषरात्रि ३.४७ बजे समाप्त।
 दिनांक १४.३.२०२२ को रात्रि १०.०७ बजे से प्रारंभ एवं दिनांक १६.३.२०२२ को रात्रि १२.१८ बजे समाप्त।
 दिनांक २३.३.२०२२ को सायं ६.५२ बजे से प्रारंभ एवं दिनांक २५.३.२०२२ को सायं ४.०७ बजे समाप्त।
 दिनांक ०१.४.२०२२ को सुबह १०.३६ बजे से प्रारंभ एवं दिनांक ०३.४.२०२२ को दोपहर १२.३५ बजे समाप्त।

नोट: गण्डमूल के ६ नक्षत्रों (अश्विनी, अश्लेषा, मघा, ज्येष्ठा, मूल एवं रेवती) में जन्मे बच्चों के लिए शांति पाठ कराना चाहिए तथा शुभाशुभ फलों के लिए विद्वत्जनों से अवश्य सलाह ले लें।

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

यात्रा मुहूर्त विचार

दिशाशूल - शनि और सोमवार के दिन पूर्व दिशा की ओर न जाएं, गुरुवार को दक्षिण में न जाए, मंगलवार एवं बुधवार को उत्तर दिशा में न जाए, शुक्र और रविवार को पश्चिम दिशा की यात्रा न करें।

समयशूल - प्रातः काल पूरब की ओर, सायंकाल-पश्चिम की ओर, अर्ध रात्रि में उत्तर की ओर तथा मध्याह्न काल में दक्षिण की ओर यात्रा नहीं करनी चाहिए।

यात्रा में निषिद्ध तिथियां - षष्ठी, अष्टमी, द्वादशी, चतुर्थी, नवमी, चतुर्दशी, अमावस्या, पूर्णिमा और शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा इन तिथियों में यात्रा करने से दरिद्रता तथा अनिष्ट की प्राप्ति होती है।

यात्रा में शुभ नक्षत्र- अनुराधा, पूनर्वसु, मृगशिरा, हस्त, रेवती, अश्विनी, श्रवण, पुष्य और घनिष्ठा। अनुराधा, हस्त, पुष्य और अश्विनी ये चार नक्षत्र सभी दिशाओं की यात्रा में श्रेष्ठ माने गए हैं ।

प्रस्थान विधान - यदि किसी कारण वश यात्रा के मुहूर्त में न जा सके तो उसी मुहूर्त में नए गमछा या तौलिया में सावत सुपारी, सावत धनिया, हल्दी की गांठ, जनेउ, दूर्वा तथा सवा रुपए बांध कर किसी के घर में या नगर के बाहर जाने की दिशा में प्रस्थान सामाग्री रखें। तथा यात्रा में जाते वक्त इसे अपने साथ ले जाएं।

यात्रा के समय ग्राह्य योग्य वस्तुएं - घृत मिश्रित अन्न खाकर पूर्व दिशा की यात्रा करें, तिल-चूर्ण मिलाया हुआ अन्न खाकर दक्षिण को जाए और घृत मिश्रित खीर खाकर उत्तर दिशा की यात्रा करें तो निश्चित ही कार्य सफल होता है। रविवार को मिसरी और मसाला मिला हुआ दही, सोमवार को खीर, मंगलवार को कांजी, बुधवार को दूध, गुरुवार को दही, शुक्रवार को दूध तथा शनिवार को तिल और भात खाकर यात्रा करें तो सभी कार्य सिद्ध होते हैं।

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

सप्तवार कार्य-अकार्य विचार

१. **रविवार** : संगीत, वाद्यादि शिक्षा, स्वास्थ्य विचार, औषध सेवन, मोटर यान सवारी, नौकरी, पशु खरीदी, हवन मंत्र, उपदेश, शिक्षा-दीक्षा, अस्त्र-शस्त्र, वस्त्र, धातु की खरीद व बेचना, वाद-विवाद, न्याय विषयक सलाह, नवीन कार्य एवं पदग्रहण शुभ।
२. **सोमवार** : कृषि यंत्र खरीदी, बीज बोना, बगीचा, फल, वृक्ष लगाना, वस्त्र तथा रत्न धारण करना, औषध क्रय-विक्रय, भ्रमण यात्रा, कला-कार्य, स्त्री प्रसंग, नवीन कार्य, अलंकार धारण, पशु पालन, वस्त्र भूषण, क्रय-विक्रय हेतु शुभ।
३. **मंगलवार** : जासूसी कार्य, भेद लेना, ऋण देना, गवाही, अग्नि विद्युत विषयक कार्य, सेना संग्राम, नीति-रीति, वाद-विवाद, निर्णय, साहस कृत्य, सर्जरी की शिक्षा, भूगर्भ विज्ञान, खेलकूद सम्बन्धी कार्य आदि के लिए उपयुक्त रहता है। पर मंगलवार को ऋण लेना अशुभ है।
४. **बुधवार** : ऋण देना अहितकर, शिक्षा-दीक्षा, विषयक कार्य, विद्यारंभ, अध्ययन, चातुर्य कार्य, सेवावृत्ति, बही-खाता, हिसाब-विचार, शिल्प कार्य, निर्माण कार्य, नोटिश देना, गृह प्रवेश, राजनीति विचार, शालागमन, गणित, लेखनादि, बौद्धिक कार्य, बैंक, वकालत, तकनीकी हुनर, ज्योतिष, विज्ञान, वाहन आदि चलाना सिखना एवं कृषि एवं व्यापारिक वस्तुओं का क्रय-विक्रय, प्रशासन तथा संपादन कार्य आदि शुभ है।
५. **गुरुवार** : ज्ञान-विज्ञान की शिक्षा, धर्म न्याय विषयक कार्य, अनुष्ठान, विज्ञान, कानूनी व कला संकाय (फेकल्टी), शिक्षा आरंभ, ग्रह शांति, मांगलिक कार्य, नवीन पद ग्रहण, वस्त्र, आभूषण धारण, यात्रा, ट्रक-टैक्टर, इंजन, मोटर यान चलाना, औषध सेवन, निर्माण तथा शपथ ग्रहण शुभप्रद है।
६. **शुक्रवार** : सांसारिक कार्य, गुप्त विचार, गोष्ठी, प्रेम व्यवहार, मित्रता, वस्त्र, मणिरत्न धारण तथा निर्माण, अर्क, इत्र, नाटक, छाया-चित्र, फिल्म, संगीत आदि कार्य शुभ। भंडार भरना, खेती करना, हल प्रवाह, धान्यरोपण, आयु ज्ञान शिक्षा शुभ।
७. **शनिवार** : गृह प्रवेश व निर्माण, नौकर-चाकर रखना, धातु, लौह, मशीनरी, कलपुर्जों के कार्य, गवाही, व्यापार विचार, वाद-विवाद, वाहन खरीदना, सेवा विषयक कार्य, लकड़ी, चमड़ा, सीमेन्ट, पेट्रोल, पत्थर, ठेकेदारी आदि कार्य शुभदायक है।

नोट : सप्तवारों के अलावा अनुकूल एवं शुभ नक्षत्र, तिथि एवं योग के अनुसार भी कार्य किए जा सकते हैं ।

॥ श्री गणेशाय नमः ॥
विक्रम संवत् २०७८ के मुख्य व्रतोत्सव
(दिनांक १३.४.२०२१ से दिनांक ०१.४.२०२२ तक)

दिनांक	वार	व्रतोत्सव विवरण
१३.४.२०२१	मंगलवार	विक्रम संवत् २०७८ आरंभ, नवरात्रा प्रारंभ।
१४.४.२०२१	बुधवार	सिंधारा।
१५.४.२०२१	गुरुवार	गणगोर (राजस्थान)।
२१.४.२०२१	बुधवार	श्री रामनवमी ।
२५.४.२०२१	रविवार	श्री महावीर जयंती (जैन)।
२७.४.२०२१	मंगलवार	श्री हनुमान जयंती, वैशाख स्नान प्रारंभ।
१४.५.२०२१	शुक्रवार	भगवान परशुराम जयंती, आखा तीज (अक्षय तृतीया)।
१६.६.२०२१	शनिवार	श्री महेश नवमी (माहेश्वरी समुदाय)।
२०.६.२०२१	रविवार	श्री गंगा दशहरा।
२१.६.२०२१	सोमवार	निर्जला एकादशी व्रत।
२२.६.२०२१	मंगलवार	वट सावित्री व्रत प्रारंभ।
२४.६.२०२१	गुरुवार	वट सावित्री व्रत पूर्ण ।
१२.७.२०२१	सोमवार	श्री जगन्नाथ रथयात्रा।
२०.७.२०२१	मंगलवार	देवशयनी एकादशी।
२३.७.२०२१	शुक्रवार	गुरु पूर्णिमा, व्यास पूजा।
२४.७.२०२१	शनिवार	गुरु पूर्णिमा, व्यास पूजा (अन्य मत से)।
२८.७.२०२१	बुधवार	नाग पंचमी (राजस्थान, बंगाल)।
०८.८.२०२१	रविवार	हरियाली अमावस्या।
१०.८.२०२१	मंगलवार	सिंधारा।
१३.८.२०२१	शुक्रवार	नाग पंचमी (राजस्थान, बिहार एवं बंगाल)।
२२.८.२०२१	रविवार	रक्षाबंधन।

“सोच BRANDED
होनी चाहिए
कपड़े नहीं”।

॥ श्री गणेशाय नमः ॥
विक्रम संवत् २०७८ के मुख्य व्रतोत्सव
(दिनांक १३.४.२०२१ से दिनांक ०१.४.२०२२ तक)

दिनांक	वार	व्रतोत्सव विवरण
७.६.२०२१	मंगलवार	भदई अमावस्या।
६.६.२०२१	गुरुवार	श्री हरतालिका तीज व्रत।
१०.६.२०२१	शुक्रवार	श्री गणेश जन्मोत्सव
११.६.२०२१	शनिवार	श्री ऋषिपंचमी, माहेश्वरी रक्षाबंधन।
१६.६.२०२१	गुरुवार	बाबा रामदेवजी का मेला।
२०.६.२०२१	सोमवार	पितृपक्ष (श्राद्ध) प्रारंभ।
०६.१०.२०२१	बुधवार	पितृपक्ष (श्राद्ध) समाप्त।
०७.१०.२०२१	गुरुवार	शरद नवरात्रा प्रारंभ, श्री अग्रसेन जयंती।
१५.१०.२०२१	शुक्रवार	दशहरा, विजयादशमी ।
२०.१०.२०२१	बुधवार	शरद पूर्णिमा।
२४.१०.२०२१	रविवार	करवा चौथ।
०२.११.२०२१	मंगलवार	धनतेरस।
०४.११.२०२१	गुरुवार	दीपावली।
१०.११.२०२१	बुधवार	श्री सूर्यषष्ठी व्रत।
११.११.२०२१	गुरुवार	श्री गोपाष्टमी।
१४.११.२०२१	रविवार	देव उठनी एकादशी, तुलसी विवाह (स्मार्त)।
१५.११.२०२१	सोमवार	देव उठनी एकादशी, तुलसी विवाह (वैष्णव)।
१६.११.२०२१	शुक्रवार	गुरुनानक जयंती, कार्तिक पूर्णिमा।
१४.१.२०२२	शुक्रवार	मकर संक्रांति-पुण्य पर्व।
०१.२.२०२२	मंगलवार	श्री माघी मौनी अमावस्या।
०५.२.२०२२	शनिवार	श्री बसंत पंचमी, सरस्वती पूजा (बंगाल)।
०१.३.२०२२	मंगलवार	श्री महाशिवरात्रि व्रत।
०४.३.२०२२	शुक्रवार	फूलेरा दूज।
१०.३.२०२२	गुरुवार	होलाष्टक प्रारंभ।
१७.३.२०२२	गुरुवार	होलिका दहन।
०१.४.२०२२	शुक्रवार	विक्रम संवत् २०७८ संपन्न।

कटु सत्य

“लोग चाहते हैं कि आप बेहतर करें
लेकिन ये भी सत्य है कि वो कभी नहीं
चाहते कि आप उनसे बेहतर करें”।

॥ श्री गणेशाय नमः ॥
विक्रम संवत् २०७८ चैत्र शुक्ल पक्ष
(दिनांक १३.४.२०२१ से दिनांक २७.४.२०२१ तक)

सूर्योदय : ५.२२ बजे

सूर्यास्त : ५.५२ बजे

दिनांक	वार	तिथि	व्रतोत्सव विवरण
१३.४.२०२१	मंगलवार	प्रतिपदा	विक्रम संवत् २०७८ नवसंवत्सरारंभ, ज्योतिष दिवस, गुड़ी पड़वा, बसंत नवरात्रा प्रारंभ, कलश स्थापना सुबह ६.२६ बजे से सुबह ११.०४ तक चंचल अभिजीत बेला में पूजन एवं घटस्थापना करना श्रेष्ठ रहेगा, चन्द्रदर्शन, मीनमलमास समाप्त, डॉ. हेडगेवार जयंती, आरोग्य प्रतिपदा, श्री गौतम जयंती, चेती चन्द्र, संत झुलेलाल जयंती (सिंधी), मेला केलादेवी (करौली, राजस्थान) प्रारंभ, आर्य समाज स्थापना दिवस, जलियांवाला बाग दिवस, बैशाखी पर्व, नील पूजा (बंगाल)। लोहड़ी (पंजाब)।
१४.४.२०२१	बुधवार	द्वितीया	सिंधारो, अग्नि शामक दिवस, डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती, चड़क पूजा (बंगाल), रंगाली बिहू, बहाग बिहू (असम), कुम्भ महापर्व (मुख्य स्नान हरिद्वार में)।
१५.४.२०२१	गुरुवार	तृतीया	गणगौर, मनोरथ तृतीया व्रत, गौरी तृतीया, सौभाग्य सुन्दरी व्रत, श्री मत्स्य जयन्ती, अरुन्धती व्रत, बंगला एवं असम सन् १४२८ प्रारंभ, रंगाली बिहू, बहाग बिहू (असम)।
१६.४.२०२१	शुक्रवार	चतुर्थी	श्री गणेश दमनक चतुर्थी व्रत, विनायक चतुर्थी, रोहिणी व्रत (जैन), गुरुअंगदेव पुण्य तिथि
१७.४.२०२१	शनिवार	पंचमी	श्री पंचमी, श्री रामराज्य महोत्सव, कल्पादि, डोलोत्सव।
१८.४.२०२१	रविवार	षष्ठी	स्कंध षष्ठी, यमुना जयंती, चैती श्री सूर्य षष्ठी व्रत (बिहार), अशोक षष्ठी (बंगाल), विश्व विरासत (हेरीटेज) दिवस, रामानुचार्य जयंती।
१९.४.२०२१	सोमवार	सप्तमी	बासंती पूजा (बंगाल), श्री अन्नपूर्णा परिक्रमा सायं ६.४६ बजे से, नवपद औली प्रारंभ (जैन)।
२०.४.२०२१	मंगलवार	अष्टमी	अशोक कलिका प्राशनं, श्री महादुर्गाष्टमी, अशोकाष्टमी, अन्नपूर्णा पूजा (बंगाल), साई बाबा उत्सव प्रारंभ (शिरडी), तारा (शुक्रोदय) पश्चिम में (विवरण पृष्ठ १६ पर देखें)।
२१.४.२०२१	बुधवार	नवमी	श्रीराम नवमी, श्रीराम जन्मोत्सव, गुरु रामदास जयंती, मेला श्रीमहावीर जी प्रारंभ (जिला करौली, राजस्थान)।
२२.४.२०२१	गुरुवार	दशमी	धर्मराज जयंती, नवरात्र व्रत का पारण, विश्व वसुंधरा दिवस।
२३.४.२०२१	शुक्रवार	एकादशी	श्री कामदा एकादशी व्रत, श्री लक्ष्मीकान्त दोलोत्सव, श्री श्याम बाबा जागरण, श्री साई बाबा उत्सव पूर्ण (शिरडी), विश्व पुस्तक एवं कॉपीराइट दिवस, बाबू कुंवर सिंह जयन्ती (बिहार)।
२४.४.२०२१	शनिवार	द्वादशी	श्री शनि प्रदोष व्रत, श्री श्याम बाबा द्वादशी, श्री हरि दमनोत्सव, मदन द्वादशी, मानव एकता दिवस।
२५.४.२०२१	रविवार	त्रयोदशी	अनंग त्रयोदशी, श्री महावीर जयंती (जैन), विश्व मलेरिया दिवस।
२६.४.२०२१	सोमवार	चतुर्दशी	शिव दमनोत्सव चतुर्दशी, श्री नृसिंह दोलोत्सव, व्रत की पूर्णिमा।
२७.४.२०२१	मंगलवार	पूर्णिमा प्रतिपदा	स्नान-दान की पूर्णिमा, श्री हनुमान जयंती, भारतीय वैशाख प्रारंभ, वैशाख स्नान प्रारंभ, नवपद औली पूर्ण (जैन), मेला कैलादेवी पूर्ण, मेला श्री महावीरजी पूर्ण (जिला - करौली), सुबह ६.०० बजे के बाद प्रतिपदा लग जायेगी।

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

विक्रम संवत् २०७८ वैशाख कृष्ण पक्ष
(दिनांक २८.४.२०२१ से दिनांक ११.५.२०२१ तक)

सूर्योदय : ५.१० बजे

सूर्यास्त : ५.५८ बजे

दिनांक	वार	तिथि	व्रतोत्सव विवरण
.....	मंगलवार	प्रतिपदा
२८.४.२०२१	बुधवार	द्वितीया
२९.४.२०२१	गुरुवार	तृतीया	अंतर्राष्ट्रीय नृत्य दिवस।
३०.४.२०२१	शुक्रवार	चतुर्थी	श्री गणेश चतुर्थी व्रत (चन्द्रोदय समय पृष्ठ ८ पर देखें), अनुसूया जयन्ती ।
०१.५.२०२१	शनिवार	पंचमी	मई दिवस, विश्व मजदूर दिवस, पत्रकार दिवस, गुरु तेग बहादुर जयंती (प्राचीन मत से)।
०२.५.२०२१	रविवार	षष्ठी
०३.५.२०२१	सोमवार	सप्तमी	श्री शीतला सप्तमी, कालाष्टमी, गुरु अर्जुनदेव जयंती, अंतर्राष्ट्रीय सूर्य (सौर उर्जा) दिवस, विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस।
०४.५.२०२१	मंगलवार	अष्टमी	श्री शीतलाष्टमी, बूढ़ो बासोड़ा, भौमाष्टमी।
०५.५.२०२१	बुधवार	नवमी
०६.५.२०२१	गुरुवार	दशमी
०७.५.२०२१	शुक्रवार	एकादशी	श्री बरूथिनी एकादशी व्रत, श्री बल्लभाचार्य जयन्ती, रविन्द्रनाथ टैगोर जयंती (अंग्रेजी तिथि अनुसार) ।
०८.५.२०२१	शनिवार	द्वादशी	श्री शनि प्रदोष व्रत, श्री सैन जयंती, विश्व रेड क्रॉस दिवस।
०९.५.२०२१	रविवार	त्रयोदशी	श्री मास शिवरात्रि व्रत, अन्तर्राष्ट्रीय मातृत्व दिवस, रविन्द्रनाथ टैगोर जयंती (बंगला तिथि अनुसार) ।
१०.५.२०२१	सोमवार	चतुर्दशी
११.५.२०२१	मंगलवार	अमावस्या	देवपितृ कार्य की अमावस्या, श्री भौमवती अमावस्या, श्री शुकदेव मुनि जयन्ती, राष्ट्रीय प्रोद्योगिकी (टेक्नोलॉजी) दिवस।

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

विक्रम संवत् २०७८ वैशाख शुक्ल पक्ष
(दिनांक १२.५.२०२१ से दिनांक २६.५.२०२१ तक)

सूर्योदय : ५.०१ बजे

सूर्यास्त : ६.०५ बजे

दिनांक	वार	तिथि	व्रतोत्सव विवरण
१२.५.२०२१	बुधवार	प्रतिपदा	गुरु अंगदेव जयंती (प्राचीन मत से), अन्तर्राष्ट्रीय नर्स दिवस, पाराशर ऋषि जयंती (मतांतर से), श्री दामोदरदेव तिरोभाव तिथि (असम)।
१३.५.२०२१	गुरुवार	द्वितीया	चन्द्रदर्शन, श्री शिवाजी जयंती, रोहिणी व्रत (जैन)।
१४.५.२०२१	शुक्रवार	तृतीया	दिन-रात, अक्षय तृतीया (आखा तीज), भगवान परशुराम जयन्ती, मातंगी जयन्ती, त्रेतायुगादि, श्री बद्री केदारनाथ यात्रा, वर्षी तप पारण (जैन), ईद-उल-फितर (मीठी ईद), विश्व प्रवासी दिवस।।
१५.५.२०२१	शनिवार	तृतीया	सुबह ७.५५ बजे के बाद चतुर्थी लग जाएगी, विनायक चतुर्थी व्रत।
१६.५.२०२१	रविवार	चतुर्थी	सुबह ६.५८ बजे तक।
१७.५.२०२१	सोमवार	पंचमी	श्री सूरदास जयन्ती, श्री आदि शंकराचार्य जयन्ती, श्री रामानुचार्य जयंती (दक्षिण भारत में), विश्व दूरसंचार दि.।
१८.५.२०२१	मंगलवार	षष्ठी	श्री गंगा सप्तमी (मध्याह्न व्यापिनी), गंगोत्पत्ति, गंगा पूजन, चन्दन षष्ठी (बंगाल), श्री रामानुचार्य जयंती (उत्तर भारत में)।
१९.५.२०२१	बुधवार	सप्तमी
२०.५.२०२१	गुरुवार	अष्टमी	श्री दुर्गा अष्टमी, श्री बगुलामुखी जयन्ती, सीता नवमी (मध्याह्न व्यापिनी), श्री जानकी जयन्ती।
२१.५.२०२१	शुक्रवार	नवमी	राजीव गांधी पुण्य तिथि, आतंकवाद विरोध दिवस।
२२.५.२०२१	शनिवार	दशमी	श्री मोहिनी एकादशी व्रत (स्मार्त), श्री महावीर कैवल्य ज्ञान (जैन), श्री श्याम बाबा जागरण, लक्ष्मी नारायण एकादशी (उड़ीसा),
२३.५.२०२१	रविवार	एकादशी } द्वादशी }	श्री मोहिनी एकादशी व्रत (वैष्णव), सुबह ६.४४ बजे के बाद द्वादशी लग जाएगी, परशुराम द्वादशी, रुक्मिणी द्वादशी, श्री श्याम बाबा द्वादशी।
२४.५.२०२१	सोमवार	त्रयोदशी	श्री सोम प्रदोष व्रत, राष्ट्र मंडल दिवस।
२५.५.२०२१	मंगलवार	चतुर्दशी	श्री नृसिंह जयंती, देवी छिन्नमस्ता जयंती, गुरु अमरदास जयन्ती, रासबिहारी बोस जयन्ती, आशुतोष मुखर्जी पुण्य तिथि।
२६.५.२०२१	बुधवार	पूर्णिमा	स्नान-दान-व्रत की पूर्णिमा, श्री बुद्ध पूर्णिमा, पीपल पूर्णिमा, कूर्म जयंती, वैशाख स्नान पूर्ण, श्री गंधेश्वरी पूजा (बंगाल), चन्द्रग्रहण (भारत में दृश्य होगा), ग्रहण विवरण पृष्ठ ६-७ पर देखें।

॥ श्री गणेशाय नमः ॥
विक्रम संवत् २०७८ ज्येष्ठ कृष्णपक्ष
(दिनांक २७.५.२०२१ से दिनांक १०.६.२०२१ तक)

सूर्योदय : ४.५५ बजे

सूर्यास्त : ६.१२ बजे

दिनांक	वार	तिथि	व्रतोत्सव विवरण
२७.५.२०२१	गुरुवार	प्रतिपदा	श्री महर्षि नारद जयन्ती, वीणा दानम्, जिनवर व्रतारंभ (जैन), श्री श्री माधवदेव की आविर्भाव तिथि (असम)।
२८.५.२०२१	शुक्रवार	द्वितीया	वीर सावरकर जयंती।
२९.५.२०२१	शनिवार	तृतीया चतुर्थी }	सुबह ६.३६ बजे के बाद चतुर्थी लग जाएगी, श्री गणेश चतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय समय (पृष्ठ ८ पर देखें),
३०.५.२०२१	रविवार	पंचमी	मां आनन्दमयी जयन्ती ।
३१.५.२०२१	सोमवार	षष्ठी	विश्व धूम्रपान निषेध निवस ।
०१.६.२०२१	मंगलवार	सप्तमी	अन्तर्राष्ट्रीय बाल सुरक्षा दिवस, वर्ल्ड मिल्क डे ।
०२.६.२०२१	बुधवार	अष्टमी	शीतलाष्टमी, त्रिलोचनाष्टमी (बंगाल), कालाष्टमी, बुधाष्टमी, श्री दादू दयाल पुण्य तिथि,
०३.६.२०२१	गुरुवार	नवमी	श्री श्री लोकनाथ तिरोधान दिवस।
०४.६.२०२१	शुक्रवार	दशमी
०५.६.२०२१	शनिवार	एकादशी	दिन-रात, विश्व पर्यावरण दिवस।
०६.६.२०२१	रविवार	एकादशी	सुबह ६.२६ बजे तक, अचला (अपरा) एकादशी व्रत, जल क्रीड़ा एकादशी (उड़ीसा), भद्रकाली एकादशी (पंजाब)।
०७.६.२०२१	सोमवार	द्वादशी	श्री सोम प्रदोष व्रत।
०८.६.२०२१	मंगलवार	त्रयोदशी	श्रीमास शिवरात्री व्रत, वट सावित्री व्रत प्रारंभ, सावित्री चतुर्दशी व्रत - प्रदोष काल में (बंगाल), विश्व महासागर दिवस।
०९.६.२०२१	बुधवार	चतुर्दशी	वट सावित्री व्रत का द्वितीय दिन, फलहारिनी कालिका पूजा (बंगाल)।
१०.६.२०२१	गुरुवार	अमावस्या	देवपितृ कार्य की अमावस्या, भावुका अमावस्या, श्री शनि जयंती, वट सावित्री व्रत, संत ज्ञानेश्वर जयंती, रोहिणी व्रत (जैन), सूर्यग्रहण (भारत में दृश्य नहीं होगा), ग्रहण विवरण पृष्ठ ६-७ पर देखें।

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

विक्रम संवत् २०७८ ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष
(दिनांक ११.६.२०२१ से दिनांक २४.६.२०२१ तक)

सूर्योदय : ४.५५ बजे

सूर्यास्त : ६.१८ बजे

दिनांक	वार	तिथि	व्रतोत्सव विवरण
११.६.२०२१	शुक्रवार	प्रतिपदा	चन्द्रदर्शन, श्री गंगा दशाश्वमेध स्नान प्रारंभ, करवीर व्रत, भावुक करिदिन।
१२.६.२०२१	शनिवार	द्वितीया	सोपपदा द्वितीया ।
१३.६.२०२१	रविवार	तृतीया	रम्भा तृतीया व्रत, महाराणा प्रताप जयन्ती।
१४.६.२०२१	सोमवार	चतुर्थी	विनायकी चतुर्थी व्रत, उमा चतुर्थी व्रत (बंगाल), विश्व रक्तदान दिवस ।
१५.६.२०२१	मंगलवार	पंचमी	श्रुती पंचमी (जैन), महादेव विवाह (उड़ीसा)।
१६.६.२०२१	बुधवार	षष्ठी	जमाई षष्ठी (बंगाल), अरण्य षष्ठी, श्री स्कन्द षष्ठी, शीतला षष्ठी (उड़ीसा), विन्ध्यवासिनी पूजा।
१७.६.२०२१	गुरुवार	सप्तमी	-----
१८.६.२०२१	शुक्रवार	अष्टमी	श्री दुर्गाष्टमी, धूमावती जयंती, रानी लक्ष्मी बाई पुण्य तिथि, मेला क्षीर भवानी (कश्मीर)।
१९.६.२०२१	शनिवार	नवमी	श्री महेश नवमी (माहेश्वरी समुदाय), श्री हरि जयंती।
२०.६.२०२१	रविवार	दशमी	श्री गंगा दशहरा, श्री बटुक भैरव जयन्ती, सेतुबंध रामेश्वर प्रतिष्ठा दिवस, विश्व शरणार्थी दिवस।
२१.६.२०२१	सोमवार	एकादशी	श्री निर्जला एकादशी व्रत, भीमसेनी एकादशी, गायत्री जयंती, रुक्मणी विवाह (उड़ीसा), श्री श्याम बाबा जागरण, अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस, विश्व संगीत दिवस।
२२.६.२०२१	मंगलवार	द्वादशी	श्री भौम प्रदोष व्रत, श्री श्याम बाबा द्वादशी, मुनि सुपाशर्वनाथ जयंती, अम्बूवाची प्रवृत्ति (असम), वट सावित्री व्रत प्रारम्भ।
२३.६.२०२१	बुधवार	त्रयोदशी } चतुर्दशी }	वट सावित्री व्रत का दूसरा दिन प्रातः ७.०३ बजे के बाद चतुर्दशी लग जाएगी, चम्पक चतुर्दशी। (बंगाल), संयुक्त राष्ट्र लोक सेवा दिवस।
२४.६.२०२१	गुरुवार	पूर्णिमा	स्नान-दान-व्रत की पूर्णिमा, संत कबीर जयंती, वट सावित्री व्रत पूर्ण, अमरनाथ यात्रा प्रारम्भ, श्री श्री जगन्नाथ देव की स्नान यात्रा।

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

विक्रम संवत् २०७८ आषाढ कृष्ण पक्ष

(दिनांक २५.६.२०२१ से दिनांक १०.७.२०२१ तक)

सूर्योदय : ४.५५ बजे

सूर्यास्त : ६.२३ बजे

दिनांक	वार	तिथि	व्रतोत्सव विवरण
२५.६.२०२१	शुक्रवार	प्रतिपदा	गुरु हर गोविन्द सिंह जयन्ती (प्राचीन मत से), अम्बूवाची निवृत्ति (असम) ।
२६.६.२०२१	शनिवार	द्वितीया
२७.६.२०२१	रविवार	तृतीया	संकष्टी श्री गणेश चतुर्थी व्रत (चन्द्रोदय समय पृष्ठ ८ पर देखें) ।
२८.६.२०२१	सोमवार	चतुर्थी
२९.६.२०२१	मंगलवार	पंचमी	कोकिला पंचमी (जैन), राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस।
३०.६.२०२१	बुधवार	षष्ठी
०१.७.२०२१	गुरुवार	सप्तमी	डॉ. विधानचन्द्र राय की जयंती एवं पुण्य तिथि, राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस।
०२.७.२०२१	शुक्रवार	अष्टमी	श्री शीतलाष्टमी, बोहराष्टमी।
०३.७.२०२१	शनिवार	नवमी
०४.७.२०२१	रविवार	दशमी	स्वामी विवेकानन्द पुण्य तिथि।
०५.७.२०२१	सोमवार	एकादशी	योगिनी एकादशी व्रत, श्री देवरहा बाबा की पुण्य तिथि ।
०६.७.२०२१	मंगलवार	द्वादशी	डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जयंती।
०७.७.२०२१	बुधवार	त्रयोदशी	श्री प्रदोष, रोहिणी व्रत (जैन)।
०८.७.२०२१	गुरुवार	चतुर्दशी	श्रीमास शिवरात्रि व्रत ।
०९.७.२०२१	शुक्रवार	अमावस्या	दिन-रात, पितृकार्य की अमावस्या।
१०.७.२०२१	शनिवार	अमावस्या	प्रातः ६.४६ बजे तक, देवकार्य की अमावस्या, शनैश्चरी अमावस्या।

“ठुकरा दिया जिन्होंने मुझे मेरा वक्त देख कर
कसम खाता हूं ऐसा वक्त लाऊंगा कि
मिलना पड़ेगा मुझसे वक्त लेकर”।

॥ श्री गणेशाय नमः ॥
विक्रम संवत् २०७८ आषाढ़ शुक्ल पक्ष
(दिनांक ११.७.२०२१ से दिनांक २४.७.२०२१ तक)

सूर्योदय : ५.०२ बजे

सूर्यास्त : ६.२२ बजे

दिनांक	वार	तिथि	व्रतोत्सव विवरण
११.७.२०२१	रविवार	प्रतिपदा	चन्द्रदर्शन, गुप्त नवरात्रा प्रारंभ, कलश स्थापना सुबह ७.३८ बजे से सुबह ६.२० बजे तक चंचल समगतिक मान्य, सुबह ६.२० बजे से दोपहर १.१० बजे तक लाभ-अमृत एवं अभिजीत मुहूर्त में पूजन एवं कलश स्थापना करना श्रेष्ठ रहेगा, मनोरथ द्वितीया-चंद्रोदय व्यापिनी (बंगाल), विश्व जनसंख्या दिवस।
१२.७.२०२१	सोमवार	द्वितीया	श्री जगन्नाथ रथयात्रा, श्रीराम बलराम रथोत्सव।
१३.७.२०२१	मंगलवार	तृतीया	श्री विनायक चतुर्थी व्रत, गुण्डिचा महोत्सव (पूरी, उड़ीसा), विपत्तारिणी व्रत (बंगाल)।
१४.७.२०२१	बुधवार	चतुर्थी
१५.७.२०२१	गुरुवार	पंचमी	सुबह ७.२३ बजे तक, हेरा पंचमी (उड़ीसा), स्कंद षष्ठी, कुमार षष्ठी, महावीर स्वामी गर्भकल्याणक।
१६.७.२०२१	शुक्रवार	षष्ठी } सप्तमी }	सुबह ६.१२ बजे के बाद सप्तमी लग जाएगी, सूर्य सप्तमी, विवस्वत सूर्य पूजा, चौमासी अष्टाह्निका पर्व प्रारंभ (जैन)।
१७.७.२०२१	शनिवार	अष्टमी	श्री दुर्गाष्टमी, परशुरामाष्टमी (उड़ीसा), खर्चीपूजा (त्रिपुरा), भीमाष्टमी, विपत्तारिणी व्रत (बंगाल), श्री श्री मनसादेवी एवं अष्टनाग पूजा (माहव्यापी) प्रारंभ (बंगाल)।
१८.७.२०२१	रविवार	नवमी	गुप्त नवरात्रा पूर्ण, भड़ल्या नवमी, मेला शरीफ भवानी (जम्मू कश्मीर), नेल्सन मंडेला अंतर्राष्ट्रीय दिवस।
१९.७.२०२१	सोमवार	दशमी	आशा दशमी, सोपपदा दशमी, श्री जगन्नाथ जी की पुनर्यात्रा (उल्टा रथ), गिरिजा दशमी ।
२०.७.२०२१	मंगलवार	एकादशी	देवशयनी एकादशी व्रत, रविनारायण एकादशी (उड़ीसा), चातुर्मास व्रत प्रारंभ, गोपध्वजव्रतोद्यापन, शाक त्याग व्रतारंभ, श्री श्याम बाबा जागरण, दादा मेला अजमेर ८६७ वॉ।
२१.७.२०२१	बुधवार	द्वादशी	श्री प्रदोष व्रत, श्री श्याम बाबा द्वादशी, ईदुलजुहा।
२२.७.२०२१	गुरुवार	त्रयोदशी	जया पार्वती व्रत (गुजरात)।
२३.७.२०२१	शुक्रवार	चतुर्दशी	व्रत की पूर्णिमा, गुरु पूर्णिमा, व्यास पूजा, कोकीला पूर्णिमा (प्रदोष व्यापिनी पूर्णिमा में), चौमासी चौदस (जैन), शिवशयन चतुर्दशी (उड़ीसा), मेला ज्वालामुखी (उड़ीसा), साई बाबा उत्सव प्रारंभ (शिरडी), बाल गंगाधर तिलक एवं चन्द्रभोखर आजाद जयंती।
२४.७.२०२१	शनिवार	पूर्णिमा	स्नान-दान की पूर्णिमा, गुरु पूर्णिमा (अन्य मत से), गोपध्वजव्रतारंभ।

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

विक्रम संवत् २०७८ श्रावण कृष्ण पक्ष
(दिनांक २५.७.२०२१ से दिनांक ०८.८.२०२१ तक)

सूर्योदय : ५.०६ बजे

सूर्यास्त : ६.२० बजे

दिनांक	वार	तिथि	व्रतोत्सव विवरण
२५.७.२०२१	रविवार	प्रतिपदा } द्वितीया }	प्रातः ५.५४ बजे के बाद द्वितीया लग जाएगी, नक्त व्रत आरंभ, अशून्य शयन व्रतारंभ (चन्द्रोदय व्यापिनी द्वितीया में), जया पार्वती व्रत जागरण (गुजरात), चातुर्मास्य व्रती को साग खाना वर्जित है।
२६.७.२०२१	सोमवार	तृतीया	सावन का प्रथम सोमवार, , स्वर्ण गौरी व्रत, जया पार्वती व्रत समाप्त (गुजरात)।
२७.७.२०२१	मंगलवार	चतुर्थी	मंगला गौरी व्रत, अंगार की चतुर्थी, श्री गणेश चतुर्थी व्रत (चन्द्रोदय समय पृष्ठ ८ पर देखें)।
२८.७.२०२१	बुधवार	पंचमी	नागपंचमी (राजस्थान)।
२९.७.२०२१	गुरुवार	षष्ठी
३०.७.२०२१	शुक्रवार	सप्तमी	श्री शीतला सप्तमी (उड़ीसा)।
३१.७.२०२१	शनिवार	अष्टमी	दिन-रात, कालाष्टमी, मुंशी प्रेमचन्द जयंती।
०१.८.२०२१	रविवार	अष्टमी	सुबह ७.५६ बजे तक, लोकमान्य बालगंगाधर तिलक पुण्य तिथि।
०२.८.२०२१	सोमवार	नवमी	सावन का द्वितीय सोमवार, गुरु हरिकिशन जी जयंती।
०३.८.२०२१	मंगलवार	दशमी	मंगला गौरी व्रत, रोहिणी व्रत (जैन),
०४.८.२०२१	बुधवार	एकादशी	कामदा (कामिका) एकादशी व्रत)।
०५.८.२०२१	गुरुवार	द्वादशी	श्री प्रदोष व्रत।
०६.८.२०२१	शुक्रवार	त्रयोदशी	श्री मास शिवरात्रि व्रत, हिरोशिमा दिवस।
०७.८.२०२१	शनिवार	चतुर्दशी
०८.८.२०२१	रविवार	अमावस्या	देवपितृकार्य की अमावस्या, हरियाली अमावस्या, नक्त व्रत आरंभ।

“भाग्य के दरवाजे पर सिर पीटने
से बेहतर है कर्मों का तूफान पैदा कर दो,
दरवाजे अपने आप खुल जाएंगे”।

॥ श्री गणेशाय नमः ॥
विक्रम संवत् २०७८ श्रावण शुक्ल पक्ष
(दिनांक ०६.८.२०२१ से दिनांक २२.८.२०२१ तक)

सूर्योदय : ५.१३ बजे

सूर्यास्त : ६.११ बजे

दिनांक	वार	तिथि	व्रतोत्सव विवरण
०६.८.२०२१	सोमवार	प्रतिपदा	सावन का तृतीय सोमवार, रोटक व्रतारंभ, सोमेश्वर पूजन, भारत छोड़ो आंदोलन दिवस, स्वतंत्रता संग्राम दिवस, नागासाकी दिवस।
१०.८.२०२१	मंगलवार	द्वितीया	चन्द्रदर्शन, सिंधारा, मंगला गौरी व्रत, स्वामी श्री करपात्री जयन्ती।
११.८.२०२१	बुधवार	तृतीया	हरियाली तीज, स्वर्ण गौरी व्रत, मधुश्रवा व्रत, झूला तीज, सुकृत तृतीया, खुदीराम बोस शहीद दिवस।
१२.८.२०२१	गुरुवार	चतुर्थी	श्री विनायक चतुर्थी व्रत, दुर्वा गणपति व्रत, वरद चतुर्थी, श्रमण तप विधान प्रारंभ (जैन), अराष्ट्रीय युवा दिवस।
१३.८.२०२१	शुक्रवार	पंचमी	नाग पंचमी (राजस्थान, बिहार एवं बंगाल), नागदष्ट व्रत, कल्की जयंती (सायंकालीन षष्ठी में)।
१४.८.२०२१	शनिवार	षष्ठी	शीतला षष्ठी, वर्ण षष्ठी, लुण्ठन षष्ठी (बंगाल), अखण्ड भारत स्मृति दिवस।
१५.८.२०२१	रविवार	सप्तमी	शील सप्तमी व्रत, गोस्वामी तुलसी दास जयंती, सुबह ६.५४ बजे के बाद अष्टमी लग जाएगी, श्री दुर्गाष्टमी, भारतीय ७५वां स्वतंत्रता दिवस।
१६.८.२०२१	सोमवार	अष्टमी नवमी	सावन का चतुर्थ सोमवार, सुबह ७.४७ बजे के बाद नवमी लग जाएगी,, श्री हरि जयंती, अटल जी की पुण्यतिथि।
१७.८.२०२१	मंगलवार	दशमी	मंगला गौरी व्रत, श्री श्री मनसादेवी एवं अष्टनाग पूजा (माहव्यापी) समापन (बंगाल)।
१८.८.२०२१	बुधवार	एकादशी	पुत्रदा (पवित्रा) एकादशी व्रत, झूलनयात्रा प्रारंभ, श्री श्याम बाबा जागरण।
१९.८.२०२१	गुरुवार	द्वादशी	श्री श्याम बाबा द्वादशी, पवित्रा द्वादशी, दामोदर द्वादशी, श्री विष्णु पवित्र रोपण, शाक-दधि भक्षण त्याग व्रतारंभ, मोहरम (ताजिया)।
२०.८.२०२१	शुक्रवार	त्रयोदशी	श्री प्रदोष व्रत, वरद महालक्ष्मी व्रत, आखेट त्रयोदशी (उड़ीसा), सद्भावना दिवस।
२१.८.२०२१	शनिवार	चतुर्दशी	सूण मांढने के लिए पूरा दिन शुद्ध है, ऋग्वेदियों का उपाकर्म, झूलन यात्रा समापन।
२२.८.२०२१	रविवार	पूर्णिमा	स्नान-दान-व्रत की पूर्णिमा, रक्षाबंधन (नोट : प्रातः ६.१४ बजे तक भद्रा है, अतः राखी बांधने का कार्य प्रातः ६.१४ बजे के बाद करें, (विवरण पृष्ठ ३ पर देखें), नारियल पूर्णिमा, श्रावणी उपाकर्म, यज्ञोपवित शुक्लयजुर्वेदी-हिरण्यकेशी, तैत्तिरीय शाखा वालों के लिए श्रावण उपाकर्म, हयग्रीव जयंती संस्कृत दिवस, अमरनाथ यात्रा पूर्ण, गायत्री जयन्ती।

॥ श्री गणेशाय नमः ॥
विक्रम संवत् २०७८ भाद्रपद कृष्ण पक्ष
(दिनांक २३.८.२०२१ से दिनांक ०७.९.२०२१ तक)

सूर्योदय : ५.१८ बजे

सूर्यास्त : ६.०१ बजे

दिनांक	वार	तिथि	व्रतोत्सव विवरण
२३.८.२०२१	सोमवार	प्रतिपदा	गोगामेड़ी मेला प्रारंभ (हनुमानगढ़, राजस्थान), भाद्र माह में चातुर्मास्य व्रती को दही खाना वर्जित है, अशून्य शयन व्रत।
२४.८.२०२१	मंगलवार	द्वितीया	कज्जली तीज के निमित्त जागरण।
२५.८.२०२१	बुधवार	तृतीया	बहुला श्री गणेश चतुर्थी व्रत (चन्द्रोदय समय पृष्ठ ८ पर देखें), कज्जली तीज, सातुड़ी तीज, मेला कज्जली तीज (बूंदी), राजस्थान।
२६.८.२०२१	गुरुवार	चतुर्थी
२७.८.२०२१	शुक्रवार	पंचमी	गुगा पंचमी, रक्षा पंचमी, (उड़ीसा), वृहदगौरी व्रत, चन्द्र षष्ठी, श्री श्री माधवदेवकी तिरोभाव तिथि (असम)।
२८.८.२०२१	शनिवार	षष्ठी	हल षष्ठी, अक्षय षष्ठी, कपिला षष्ठी, चंपा षष्ठी, वबलदेव जयंती।
२९.८.२०२१	रविवार	सप्तमी	श्री शीतला सप्तमी, भानु सप्तमी, राष्ट्रीय खेल दिवस।
३०.८.२०२१	सोमवार	अष्टमी	श्रीकृष्ण जन्माष्टमी.), दुर्वाष्टमी, दशाफल व्रत, संत ज्ञानेश्वर जयंती, गोकुलाष्टमी।
३१.८.२०२१	मंगलवार	नवमी	गोगा नवमी, मुख्य मेला गोगामेड़ी (हनुमानगढ़), रोहिणी व्रत (जैन), नंदोत्सव।
०१.९.२०२१	बुधवार	दशमी	दिन-रात
०२.९.२०२१	गुरुवार	दशमी	प्रातः ६.२४ बजे तक।
०३.९.२०२१	शुक्रवार	एकादशी	अजा (जया) एकादशी व्रत, पर्युषण पर्व प्रारंभ (जैन)।
०४.९.२०२१	शनिवार	द्वादशी	श्री शनि प्रदोष व्रत, बच्छ बारस, गोवत्स पूजा।
०५.९.२०२१	रविवार	त्रयोदशी	श्रीमास शिवरात्रि व्रत, अघोर चतुर्दशी (प्रदोष काल में), शिक्षक दिवस, डॉ. राधाकृष्णन जयंती।
०६.९.२०२१	सोमवार	चतुर्दशी	अघोर चतुर्दशी (मन्तान्तर से), पितृ कार्य की अमावस्या, कुशाग्रहणी अमावस्या, पिठोरी अमावस्या।
०७.९.२०२१	मंगलवार	अमावस्या प्रतिपदा	देव कार्य की अमावस्या, भौमवती अमावस्या, भदई अमावस्या, सतियों की जात, लोहर्गल स्नान, प्रातः ६.२० बजे के बाद प्रतिपदा लग जाएगी, नक्त व्रत पूर्ण।

“नाराज ना होना कभी यह सोच कर कि
काम मेरा और नाम किसी और का हो रहा है,
यहां सदियों से जलते तो “घी और रूई” है
पर लोग कहते हैं कि दीया जल रहा है”।

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

विक्रम संवत् २०७८ भाद्रपद शुक्ल पक्ष
(दिनांक ०८.६.२०२१ से दिनांक २०.६.२०२१ तक)

सूर्योदय : ५.२३ बजे

सूर्यास्त : ५.४६ बजे

दिनांक	वार	तिथि	व्रतोत्सव विवरण
..... ०८.६.२०२१	मंगलवार बुधवार	प्रतिपदा द्वितीया चन्द्रदर्शन, बाबा रामदेव बीज ६३६ वां मेला प्रारंभ, श्री श्री शंकरदेव की तिरोभाव तिथि (असम), विश्व साक्षरता दिवस । श्री हरितालिका तीज व्रत, हस्तिगौरी व्रत, श्री वराह जयन्ती, गौरी तृतीया, सामवेदियों का उपाकर्म।
०९.६.२०२१	गुरुवार	तृतीया	श्री गणेश जन्मोत्सव (नोट: मध्याह्न काल में श्री गणेश जन्मोत्सव मनाया जाएगा, शास्त्रानुसार गणेश पूजन का श्रेष्ठ समय वृश्चिक लग्न में सुबह ११.३१ बजे से दोपहर १.४८ बजे तक एवं दोपहर १२.१० बजे से दोपहर १.०० बजे तक अभिजीत मुहूर्त में गणेश पूजन करना श्रेष्ठ रहेगा, चन्द्रदर्शन निषेध, चतुर्था चौथ, जैन संवत्सरी (चतुर्थी पक्ष)।
१०.६.२०२१	शुक्रवार	चतुर्थी	श्री ऋषि पंचमी, रक्षाबंधन (माहेश्वरी समुदाय), रक्षा पंचमी (बंगाल), श्री गर्ग-अंगिरा ऋषि जयन्ती, पर्युषण पर्व प्रारंभ (दि.जैन), जैन संवत्सरी (पंचमी पक्ष), मध्याह्न में सप्तऋषि पूजा, महादेवी वर्मा पुण्यतिथि, विनोबा भावे जयंती।
११.६.२०२१	शनिवार	पंचमी	श्री सूर्य षष्ठी व्रत, छठ का मेला दो दिन (बौलपुर, राजस्थान), स्कन्द छठ, ललिता षष्ठी व्रत, लोलार्क षष्ठी, श्री बलदेव षष्ठी, मन्थन षष्ठी (बंगाल), चापड़ षष्ठी, अक्षय षष्ठी (बंगाल), दूबड़ी सप्तमी (प्रदोष व्यापिनी), गौरी आवहान सुबह ६.४८ बजे के बाद।
१२.६.२०२१	रविवार	षष्ठी	मुक्ता भरण व्रत, उमामहेश्वर पूजन, गौरी पूजन सुबह ८.२२ बजे के बाद, संतान सप्तमी, महालक्ष्मी व्रतारंभ (१६ दिवसीय)।
१३.६.२०२१	सोमवार	सप्तमी	श्री राधाष्टमी, महर्षि दधीचि जयन्ती, दुर्गाष्टमी, भौमाष्टमी, राष्ट्रीय हिन्दी दिवस, गौरी विर्सजन सुबह ७.०२ बजे से अगले दिन प्रातः ५.५३ बजे तक, श्री भागवत सप्ताह प्रारम्भ।
१४.६.२०२१	मंगलवार	अष्टमी	अदुख नवमी, श्री चन्द्र नवमी (उदासीन सम्प्रदाय), महानन्दा नवमी, इंजीनियर्स डे ।
१५.६.२०२१	बुधवार	नवमी	दशावतार व्रत, सुगंध दशमी, धूपदशमी (जैन), बाबा रामदेवजी का मेला (राजस्थान), तेजा दशमी, विश्व ओजोन दिवस।
१६.६.२०२१	गुरुवार	दशमी	जलझूलनी एकादशी व्रत, पद्मा एकादशी व्रत, डोल ग्यारस, कर्मा एकादशी, श्री श्याम बाबा जागरण, श्री वामन द्वादशी, श्री वामन जयंती, (मध्याह्न काल में), विश्वकर्मा पूजा (बंगाल) ।
१७.६.२०२१	शुक्रवार	एकादशी	श्री शनि प्रदोष व्रत, श्री श्याम बाबा द्वादशी, दुग्ध व्रत, गौत्रि रात्र व्रत, प्रातः ६.५१ बजे के बाद त्रयोदशी लग जाएगी।
१८.६.२०२१	शनिवार	द्वादशी } त्रयोदशी }	अनंत चतुर्दशी, कदली व्रत पूजन, रंभा रोपण।
१९.६.२०२१	रविवार	चतुर्दशी	स्नान-दान-व्रत की पूर्णिमा, इंदुला पूर्णिमा, पितृपक्ष (श्राद्ध) प्रारंभ, पूर्णिमा का श्राद्ध, महालय श्राद्ध प्रारंभ, पूजन, रम्भा रोपण, प्रोष्टपदी, नान्दी मातामह श्राद्ध, कु. संध्या पूजा, महेश्वर पूजन, श्री भागवत सप्ताह पूर्ण, गोगामेड़ी मेला समाप्त (हनुमानगढ़, राजस्थान)।
२०.६.२०२१	सोमवार	पूर्णिमा	

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

विक्रम संवत् २०७८ आश्विन कृष्ण पक्ष
(दिनांक २१.६.२०२१ से दिनांक ०६.१०.२०२१ तक)

सूर्योदय : ५.२७ बजे

सूर्यास्त : ५.३२ बजे

दिनांक	वार	तिथि	व्रतोत्सव विवरण
२१.६.२०२१	मंगलवार	प्रतिपदा	प्रतिपदा का श्राद्ध व्रत, आश्विन माह में चातुर्मास्य व्रती को दूध पीना वर्जित है, जैन क्षमावाणी पर्व, अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस।
२२.६.२०२१	बुधवार	द्वितीया	दिन-रात, द्वितीया का श्राद्ध, अशून्य शयन व्रत।
२३.६.२०२१	गुरुवार	द्वितीया	प्रातः ६.५४ बजे के बाद तृतीया लग जाएगी, तृतीया का श्राद्ध, (प्रातः ६.५४ बजे के बाद करें)।
२४.६.२०२१	शुक्रवार	तृतीया	चतुर्थी का श्राद्ध (सुबह ८.२८ बजे के बाद करें), भरणी श्राद्ध (भरणी नक्षत्र में सुबह ८.५० बजे के बाद करें), श्री गणेश चतुर्थी व्रत (चन्द्रोदय समय पृष्ठ ८ पर देखें)।
२५.६.२०२१	शनिवार	चतुर्थी	पंचमी का श्राद्ध, (सुबह १०.३३ बजे के बाद करें)।
२६.६.२०२१	रविवार	पंचमी	पंचमी का श्राद्ध (दोपहर १.०० बजे के पहले कर सकते हैं), श्री चन्द्र षष्ठी (चन्द्रोदय व्यापिनी), ईश्वरचन्द्र विद्यासागर जयंती।
२७.६.२०२१	सोमवार	षष्ठी	षष्ठी का श्राद्ध, रोहिणी व्रत (जैन), विश्व पर्यटन दिवस।
२८.६.२०२१	मंगलवार	सप्तमी	शहीद भगत सिंह जयंती, सप्तमी का श्राद्ध, श्री महालक्ष्मी व्रत पूर्ण।
२९.६.२०२१	बुधवार	अष्टमी	अष्टमी का श्राद्ध, अशोकाष्टमी, बुधाष्टमी, जीवितुत्रिका (जिजितिया) व्रत।
३०.६.२०२१	गुरुवार	नवमी	नवमी का श्राद्ध, सौभाग्यवतीनां (सुहागनियों) का श्राद्ध, जीवितुत्रिका (जिजितिया) व्रत का पारण, मातृ नवमी, अन्वष्टका का श्राद्ध, बैकों की अर्ध वार्षिकी लेखाबंदी।
०१.१०.२०२१	शुक्रवार	दशमी	दशमी का श्राद्ध, अंतर्राष्ट्रीय वृद्ध दिवस।
०२.१०.२०२१	शनिवार	एकादशी	एकादशी का श्राद्ध, इन्दिरा एकादशी व्रत, महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जयंती।
०३.१०.२०२१	रविवार	द्वादशी	द्वादशी का श्राद्ध, सन्यासी यति-वैष्णवों का श्राद्ध।
०४.१०.२०२१	सोमवार	त्रयोदशी	त्रयोदशी का श्राद्ध, श्री सोम प्रदोष व्रत, श्री मास शिवरात्रि व्रत।
०५.१०.२०२१	मंगलवार	चतुर्दशी	चतुर्दशी का श्राद्ध, शास्त्रादि हतना श्राद्ध (विष, अग्नि एवं जल दुर्घटना से मृतकों का श्राद्ध), अंतर्राष्ट्रीय शिक्षक दिवस।
०६.१०.२०२१	बुधवार	अमावस्या	देव-पितृ कार्य की अमावस्या, अमावस्या का श्राद्ध, सर्वपितृ श्राद्ध, अज्ञात तिथि वालों का श्राद्ध आज करना चाहिए, पितृपक्ष (श्राद्ध) समाप्त, महालया (बंगाल)।

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

विक्रम संवत् २०७८ आश्विन शुक्ल पक्ष
(दिनांक ०७.१०.२०२१ से दिनांक २०.१०.२०२१ तक)

सूर्योदय : ५.३३ बजे

सूर्यास्त : ५.१६ बजे

दिनांक	वार	तिथि	व्रतोत्सव विवरण
०७.१०.२०२१	गुरुवार	प्रतिपदा	चन्द्रदर्शन, शरद नवरात्रा प्रारंभ (नोट: नवरात्रा का घट स्थापना दोपहर १२.०२ से दोपहर १२.४६ बजे तक अभिजीत बेला में पूजन एवं घट स्थापना करना श्रेष्ठ रहेगा), मातामह (नाना-नानी का श्राद्ध), श्री अग्रसेन जयंती ।
०८.१०.२०२१	शुक्रवार	द्वितीया	भारतीय वायु सेना दिवस ।
०९.१०.२०२१	शनिवार	तृतीय चतुर्थी	सिन्दूर तृतीया, सुबह ७.४७ बजे के बाद चतुर्थी लग जाएगी, श्री विनायक चतुर्थी व्रत, विश्व डाक दिवस।
१०.१०.२०२१	रविवार	पंचमी	उपांग ललिता व्रत, राष्ट्रीय डाक दिवस ।
११.१०.२०२१	सोमवार	षष्ठी	स्कन्द षष्ठी, तप षष्ठी (उड़ीसा)।
१२.१०.२०२१	मंगलवार	सप्तमी	महासप्तमी, दुर्गापूजा प्रारंभ (बंगाल), भद्रकाली अवतार, नवपद औली प्रारंभ (जैन), सरस्वती आवाहन मूल नक्षत्र में सुबह ११.२५ बजे के पहले, अन्नपूर्णा परिक्रमा रात्रि १.४६ बजे से।
१३.१०.२०२१	बुधवार	अष्टमी	दुर्गाष्टमी, महाष्टमी, सरस्वती पूजन पूर्वाषाढ़ नक्षत्र में सुबह १०.१६ बजे के पहले, अन्नपूर्णा परिक्रमा रात्रि ११.४२ बजे तक।
१४.१०.२०२१	गुरुवार	नवमी	महानवमी, सरस्वती देवी बलिदान उत्तराषाढ़ नक्षत्र में सुबह ६.३१ बजे के पहले।
१५.१०.२०२१	शुक्रवार	दशमी	दशहरा, विजय दशमी, दुर्गा प्रतिमा विसर्जन, अपराजिता पूजा (बंगाल), बोद्धावतार, पट्टाभिषेक, शस्त्रादि पूजा, शमी पूजा, सरस्वती देवी का विसर्जन श्रवण नक्षत्र में सुबह ६.११ बजे के पहले, श्री श्री शंकरदेव की आविर्भाव तिथि (असम)।
१६.१०.२०२१	शनिवार	एकादशी	पापं कुशा एकादशी, श्री राम-भरत मिलाप, श्री श्याम बाबा जागरण, विश्व खाद्य दिवस।
१७.१०.२०२१	रविवार	द्वादशी	श्री श्याम बाबा द्वादशी, पद्मनाभ द्वादशी, आकाश दीपारंभ।
१८.१०.२०२१	सोमवार	त्रयोदशी	श्री सोम प्रदोष व्रत, काति बिहू (असम)।
१९.१०.२०२१	मंगलवार	चतुर्दशी	कोजागरी व्रत, बारावफात-ईद।
२०.१०.२०२१	बुधवार	पूर्णिमा	स्नान-दान-व्रत की पूर्णिमा, शरद पूर्णिमा, लक्ष्मी पूजा (बंगाल), महर्षि वाल्मिकी जयन्ती, कार्तिक स्नान प्रारंभ, पाराशर ऋषि जयन्ती मतान्तर से, नवान्न भक्षण, नवपद औली पूर्ण (जैन)।

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

विक्रम संवत् २०७८ कार्तिक कृष्ण पक्ष

(दिनांक २१.१०.२०२१ से दिनांक ०४.११.२०२१ तक)

सूर्योदय : ५.४० बजे

सूर्यास्त : ५.०३ बजे

दिनांक	वार	तिथि	व्रतोत्सव विवरण
२१.१०.२०२१	गुरुवार	प्रतिपदा	कृषक भूमि पूजा , कार्तिक माह में चातुर्मास्य व्रती को दाल खाना वर्जित है, आजाद हिन्द फौज स्थापना दिवस।
२२.१०.२०२१	शुक्रवार	द्वितीया	गुरु रामदास जयन्ती (प्राचीन मत से), अश्विन शयन द्वितीया व्रत।
२३.१०.२०२१	शनिवार	तृतीया	हेमन्त ऋतु प्रारम्भ।
२४.१०.२०२१	रविवार	चतुर्थी	श्री गणेश चतुर्थी व्रत, करवा चौथ (चन्द्रोदय समय पृष्ठ ८ पर देखें), दशरथ चतुर्थी, (बंगाल), रोहिणी व्रत (जैन), संयुक्त राष्ट्र संघ स्थापना दिवस ।
२५.१०.२०२१	सोमवार	पंचमी	दिन-रात।
२६.१०.२०२१	मंगलवार	पंचमी	सुबह ८.१६ बजे तक, स्कन्द षष्ठी (प्रदोष काल में)।
२७.१०.२०२१	बुधवार	षष्ठी
२८.१०.२०२१	गुरुवार	सप्तमी	होई (अहोई) अष्टमी (सायंकालीन अष्टमी में), कालाष्टमी।
२९.१०.२०२१	शुक्रवार	अष्टमी	श्री राधाष्टमी, अरुणोदय में श्री राधाकुण्ड में स्नान (मथुरा)।
३०.१०.२०२१	शनिवार	नवमी	विश्व बचत दिवस।
३१.१०.२०२१	रविवार	दशमी	संकल्प दिवस, राष्ट्रीय एकता दिवस सरदार पटेल जयंती , इन्दिरा गांधी पुण्य तिथि।।
०१.११.२०२१	सोमवार	एकादशी	श्री रमा एकादशी व्रत,गौवत्स द्वादशी (प्रदोष काल में), गो सेवा संकल्प दिवस ।
०२.११.२०२१	मंगलवार	द्वादशी	श्री भौम प्रदोष व्रत, सुबह ११.३० बजे के बाद त्रयोदशी लग जाएगी धनतेरस (सायंकालीन तेरस में), धनवंतरी जयन्ती, यम दीप दान, गौत्रिरात्र व्रत ।
०३.११.२०२१	बुधवार	त्रयोदशी } चतुर्दशी }	श्री मास शिवरात्रि व्रत, सुबह ६.०१ बजे के बाद चतुर्दशी लग जाएगी, नरक चतुर्दशी (चन्द्रोदय व्यापिनी),रूप चतुर्दशी,श्री हनुमान जयंती (देशाचारे)।
०४.११.२०२१	गुरुवार	अमावस्या	देवपितृ कार्य की अमावस्या, प्रभात स्नान, दीपावली, श्री महालक्ष्मी पूजा (प्रदोष काल में), कुबेर पूजा, काली पूजा (बंगाल), महावीर स्वामी निर्वाण दिवस (जैन), महर्षि दयानंद पुण्य तिथि, गौतम स्वामी कैवल्य ज्ञान (जैन)।

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

विक्रम संवत् २०७८ कार्तिक शुक्ल पक्ष

(दिनांक ०५.११.२०२१ से दिनांक १६.११.२०२१ तक)

सूर्योदय : ५.४७ बजे

सूर्यास्त : ४.५३ बजे

दिनांक	वार	तिथि	व्रतोत्सव विवरण
०५.११.२०२१	शुक्रवार	प्रतिपदा	श्री गोवर्धन पूजा, अन्नकूट, बली प्रतिपदा, गो क्रीड़ा, जैन महावीर संवत् २५४८ प्रारंभ, गुजराती नव सम्वत् प्रारम्भ।
०६.११.२०२१	शनिवार	द्वितीया	चन्द्रदर्शन, भातु द्वितीया (भैया दूज), यम द्वितीया, यमुना स्नान, कलम-दवात पूजन, गौवर्धन पूजा (काशी में) चित्रगुप्त पूजा।
०७.११.२०२१	रविवार	तृतीया	भगिनी तीज।
०८.११.२०२१	सोमवार	चतुर्थी	श्री विनायक चतुर्थी व्रत, दुर्वा गणपति व्रत , श्री सूर्य षष्ठी व्रत प्रारंभ (बिहार)।
०९.११.२०२१	मंगलवार	पंचमी	श्री सूर्य षष्ठी व्रत का द्वितीय दिन (खरना), सौभाग्य पंचमी, पाण्डव पंचमी, ज्ञान पंचमी, लाभ पंचमी (जैन)।
१०.११.२०२१	बुधवार	षष्ठी सप्तमी }	श्री सूर्य षष्ठी व्रत का सायंकालिन अर्घ्य एवं शिपरात्रि के उपरान्त अरुणोदय काल में श्री सूर्य षष्ठी व्रत का द्वितीय अर्घ्य एवं पारण, डाला छठ (बिहार), स्कन्द षष्ठी, सुबह ८.२६ बजे के बाद सप्तमी लग जाएगी एवं ११ नवम्बर को सप्तमी प्रातः ६.४८ बजे तक है।
११.११.२०२१	गुरुवार	अष्टमी	गोपाष्टमी महोत्सव, गो-पूजन, गो-रक्षा संकल्प दिवस, श्री दुर्गाष्टमी अष्टाद्विका विधान प्रारंभ (जैन)।
१२.११.२०२१	शुक्रवार	नवमी	अक्षय नवमी, कुष्माण्ड नवमी, आंवला नवमी, राष्ट्रीय पक्षी दिवस।
१३.११.२०२१	शनिवार	दशमी	श्री जगद्धात्री पूजा (बंगाल)।
१४.११.२०२१	रविवार	एकादशी	प्रबोधनी (देवउठनी) एकादशी (स्मार्त), तुलसी विवाह (नोट: सायं ६.०८ बजे से भद्रा लग जाएगी है, अतः देव माढ़ने का काम तथा तुलसी विवाह भद्रा (सायं ६.०८ बजे) से पहले करना चाहिए), चातुर्मास पूर्ण, भीष्म पंचक प्रारंभ, नेहरु जयंती, बाल दिवस।
१५.११.२०२१	सोमवार	द्वादशी	दिन-रात, प्रबोधनी (देवउठनी) एकादशी (वैष्णव), तुलसी विवाह (मन्तान्तर से), (नोट: प्रातः ६.३६ तक भद्रा है अतः देव माढ़ने का काम एवं तुलसी विवाह भद्रा (प्रातः ६.३६ बजे) के बाद करना चाहिए, श्री श्याम बाबा जागरण, कालीदास जयंती, बिरसा मुण्डा जयंती।
१६.११.२०२१	मंगलवार	द्वादशी	सुबह ८.०४ बजे तक, श्री भीम प्रदोष व्रत, श्री श्याम बाबा द्वादशी, नारायण द्वादशी, आकाशदीप समाप्त।
१७.११.२०२१	बुधवार	त्रयोदशी	सुबह ६.५४ बजे तक बैकुण्ठ चतुर्दशी, रोटक व्रत समाप्त, दिवाकर चौथमल जयन्ती स्था. जैन, राधाबल्लभ पाटोत्सव, श्री कार्तिक पूजा (बंगाल), राष्ट्रीय पत्रकारिता दिवस, विश्व विद्यार्थी दिवस।
१८.११.२०२१	गुरुवार	चतुर्दशी	व्रत की पूर्णिमा, काशी विश्वनाथ प्रतिष्ठा दिवस, विश्व वयस्क दिवस।
१९.११.२०२१	शुक्रवार	पूर्णिमा	स्नान-दान की पूर्णिमा, चन्द्रग्रहण (भारत में दृश्य होगा), ग्रहण विवरण पृष्ठ ६-७ पर देखें, देव दीपावली, गुरुनानक जयन्ती, भीष्म पंचक समाप्त, गोष्पदव्रत समाप्ति, निम्बार्क जयंती, पुष्कर राज स्नान मेला, रानी लक्ष्मी बाई जयंती, इन्दिरा गांधी जयंती, एकता दिवस, विश्व नागरिक दिवस।

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

विक्रम संवत् २०७८ मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष

(दिनांक २०.११.२०२१ से दिनांक ०४.१२.२०२१ तक)

सूर्योदय : ५.५७ बजे

सूर्यास्त : ४.४७ बजे

दिनांक	वार	तिथि	व्रतोत्सव विवरण
२०.११.२०२१	शनिवार	प्रतिपदा	रोहिणी व्रत (जैन)।
२१.११.२०२१	रविवार	द्वितीया
२२.११.२०२१	सोमवार	तृतीया	सौभाग्य सुन्दरी व्रत।
२३.११.२०२१	मंगलवार	चतुर्थी	अंगार की चतुर्थी, श्री गणेश चतुर्थी व्रत (चन्द्रोदय समय पृष्ठ ८ पर देखें)।
२४.११.२०२१	बुधवार	पंचमी	सुविधानाथ जन्म जयंती, ऊँ मायानंद चैतन्य जयंती, गुरु तेगबहादुर पुण्य दिवस (नवीन मत से)।
२५.११.२०२१	गुरुवार	षष्ठी
२६.११.२०२१	शुक्रवार	सप्तमी
२७.११.२०२१	शनिवार	अष्टमी	श्री भैरव जयन्ती, श्री कालभैराष्टमी, कालाष्टमी, अष्टका श्राद्ध, रूकमणी अष्टमी व्रत (चन्द्रोदय व्यापिनी), प्रथाष्टमी (उड़ीसा)।
२८.११.२०२१	रविवार	नवमी	अन्वष्टका श्राद्ध।
२९.११.२०२१	सोमवार	दशमी	श्री महावीर स्वामी दीक्षा कल्याणक (जैन)।
३०.११.२०२१	मंगलवार	एकादशी	उत्पत्ति एकादशी व्रत, वैतरणी व्रत।
०१.१२.२०२१	बुधवार	द्वादशी	विश्व एड्स दिवस ।
०२.१२.२०२१	गुरुवार	त्रयोदशी	श्री प्रदोष व्रत, श्रीमास शिवरात्रि व्रत।
०३.१२.२०२१	शुक्रवार	चतुर्दशी	महाव्रतारंभ ,डॉ. राजेन्द्र प्रसाद जयंती, विश्व दिव्यांग दिवस।
०४.१२.२०२१	शनिवार	अमावस्या	देवपितृ कार्य की अमावस्या, शनैश्चरी अमावस्या,, गौरीतपो व्रत, सूर्यग्रहण (भारत में दृश्य नहीं होगा), ग्रहण विवरण पृष्ठ ६-७ पर देखें), भारतीय नौसेना दिवस।

“खूबसूरती दिल और जमीर में होनी चाहिए,
लोग बेवजह शक्ल और कपड़ों में टटोलते हैं”।

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

विक्रम संवत् २०७८ मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष

(दिनांक ०५.१२.२०२१ से दिनांक १६.१२.२०२१ तक)

सूर्योदय : ६.०७ बजे

सूर्यास्त : ४.४७ बजे

दिनांक	वार	तिथि	व्रतोत्सव विवरण
०५.१२.२०२१	रविवार	प्रतिपदा } द्वितीया }	चन्द्रदर्शन, रुद्रव्रत (पीडिया), सुबह ६.३३ बजे के बाद द्वितीया लग जाएगी, महर्षि अरविन्द पुण्य तिथि ।
०६.१२.२०२१	सोमवार	तृतीया	शौर्य दिवस, विजय दिवस, डॉ. अम्बेडकर पुण्य तिथि ।
०७.१२.२०२१	मंगलवार	चतुर्थी	श्री विनायक चतुर्थी व्रत, सशस्त्र झंडा दिवस।
०८.१२.२०२१	बुधवार	पंचमी	नाग पंचमी (द.भा.), श्रीराम जानकी विवाह उत्सव, गुरु तेगबहादुर पुण तिथि (प्राचीन मत से) ।
०९.१२.२०२१	गुरुवार	षष्ठी	चम्पा षष्ठी (महाराष्ट्र), स्कंद षष्ठी, श्रीराम कलेवा।
१०.१२.२०२१	शुक्रवार	सप्तमी	मित्र सप्तमी (बंगाल), भक्त नरसी मेहता जयन्ती, विश्व मानवाधिकार दिवस ।
११.१२.२०२१	शनिवार	अष्टमी	श्री दुर्गाष्टमी।
१२.१२.२०२१	रविवार	नवमी	श्री महानंदा नवमी, श्री हरि जयन्ती, जैन दिवाकर चौथमल पुण्य: स्था. (जैन), स्वदेशी दिवस।
१३.१२.२०२१	सोमवार	दशमी
१४.१२.२०२१	मंगलवार	एकादशी	श्री मोक्षदा एकादशी व्रत, श्री गीता जयन्ती, मौनी एकादशी (जैन), श्री श्याम बाबा जागरण।
१५.१२.२०२१	बुधवार	द्वादशी	मत्स्य द्वादशी, व्यंजन द्वादशी, श्री श्याम बाबा द्वादशी, धनु मलमास प्रारंभ, सरदार पटेल पुण्य तिथि।
१६.१२.२०२१	गुरुवार	त्रयोदशी	श्री प्रदोष व्रत, अनंग त्रयोदशी व्रत, विजय दिवस।
१७.१२.२०२१	शुक्रवार	चतुर्दशी	दिन-रात, पिचाश मोचन श्राद्ध ।
१८.१२.२०२१	शनिवार	चतुर्दशी	सुबह ७.२७ बजे तक, व्रत की पूर्णिमा, श्री दत्तात्रेय जयंती, बत्तीसी पूर्णिमा, रोहिणी व्रत (जैन)।
१९.१२.२०२१	रविवार	पूर्णिमा	स्नान-दान की पूर्णिमा ।

“जिन्दगी में अगर बुरा वक्त नहीं आता तो
अपनों में छुपे हुए गैर और गैरों में छुपे हुए
अपनों का कभी पता न चलता”।

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

विक्रम संवत् २०७८ पौष कृष्ण पक्ष

(दिनांक २०.१२.२०२१ से दिनांक ०२.१.२०२२ तक)

सूर्योदय : ६.१७ बजे

सूर्यास्त : ४.५१ बजे

दिनांक	वार	तिथि	व्रतोत्सव विवरण
२०.१२.२०२१	सोमवार	प्रतिपदा	श्री रसिक माधुरी जयन्ती।
२१.१२.२०२१	मंगलवार	द्वितीया	सूर्य उत्तरायणे, शिशिर ऋतु प्रारम्भ।
२२.१२.२०२१	बुधवार	तृतीया	श्री गणेश चतुर्थी व्रत (चन्द्रोदय समय पृष्ठ १६ पर देखें)।
२३.१२.२०२१	गुरुवार	चतुर्थी	राष्ट्रीय किसान दिवस ।
२४.१२.२०२१	शुक्रवार	पंचमी	राष्ट्रीय उपभोक्ता अधिकार दिवस।
२५.१२.२०२१	शनिवार	षष्ठी	पं. मदन मोहन मालवीय जयन्ती, अटल बिहारी वाजपेयी जयन्ती, क्रिसमस डे, बड़ा दिन।
२६.१२.२०२१	रविवार	सप्तमी	भानु सप्तमी , श्री श्री मां शारदा देवी जयन्ती (बंगाल) ।
२७.१२.२०२१	सोमवार	अष्टमी	अष्टका श्राद्ध
२८.१२.२०२१	मंगलवार	नवमी	अन्वष्टका श्राद्ध ।
२९.१२.२०२१	बुधवार	दशमी	श्री पार्श्वनाथ जयन्ती, पौषी दशमी (जैन) ।
३०.१२.२०२१	गुरुवार	एकादशी	सफला एकादशी, सुरुप द्वादशी ।
३१.१२.२०२१	शुक्रवार	द्वादशी त्रयोदशी	सुबह १०.४२ बजे के बाद त्रयोदशी लग जाएगी श्री प्रदोष व्रत । श्री मास शिवरात्रि व्रत, ईस्वी वर्ष २०२२ प्रारंभ, अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस।
०१.१.२०२२	शनिवार	चतुर्दशी	
०२.१.२०२२	रविवार	अमावस्या	देवपितृ कार्य की अमावस्या।

“दुनिया में दो औरतों से बेहद प्यार करो

एक जिसने तुम्हें जन्म दिया

दूसरी जिसने

तुम्हारे लिए जन्म लिया और

तुम्हारे बच्चों को जन्म दिया”।

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

विक्रम संवत् २०७८ पौष शुक्ल पक्ष
(दिनांक ०३.१.२०२२ से दिनांक १७.१.२०२२ तक)

सूर्योदय : ६.२२ बजे

सूर्यास्त : ४.५६ बजे

दिनांक	वार	तिथि	व्रतोत्सव विवरण
०३.१.२०२२	सोमवार	प्रतिपदा
०४.१.२०२२	मंगलवार	द्वितीया	चन्द्रदर्शन।
०५.१.२०२२	बुधवार	तृतीया	तारा (शुक्रास्त) पश्चिम में (विवरण पृष्ठ ८ पर देखें), श्री गुरु गोविन्द सिंह जयन्ती (नवीन मत से)। श्री विनयाक चतुर्थी व्रत।
०६.१.२०२२	गुरुवार	चतुर्थी
०७.१.२०२२	शुक्रवार	पंचमी	अन्नरूपा षष्ठी (बंगाल)।
०८.१.२०२२	शनिवार	षष्ठी	भानु सप्तमी, प्रवासी भारतीय दिवस (एन.आर.आई. डे), श्री गुरु गोविन्द सिंह जयन्ती (प्राचीन मत से)।
०९.१.२०२२	रविवार	सप्तमी	शाकभरी यात्रा, महाभद्राष्टमी, विश्व हास्य दिवस।
१०.१.२०२२	सोमवार	अष्टमी	तारा (शुक्रोदय) पूरब में (विवरण पृष्ठ ८ पर देखें)।
११.१.२०२२	मंगलवार	नवमी	साम्ब दशमी (उड़ीसा), स्वामी विवेकानन्द जयन्ती, राष्ट्रीय युवा दिवस।
१२.१.२०२२	बुधवार	दशमी	श्री पुत्रदा एकादशी व्रत, श्री श्याम बाबा जागरण, लोहड़ी पर्व (पंजाब)।
१३.१.२०२२	गुरुवार	एकादशी	मकर संक्रान्ति, मकर संक्रान्ति का पुण्यकाल दोपहर १.५६ बजे से १५ जनवरी को प्रातः ५.५६ बजे तक, धनु मलमास समाप्त, श्री श्याम बाबा द्वादशी, कूर्म द्वादशी, माघ बिहू - भोगाली उत्सव (असम), रोहिणी व्रत (जैन)।
१४.१.२०२२	शुक्रवार	द्वादशी	मकर संक्रान्ति का पुण्यकाल प्रातः ५.५६ बजे तक, श्री शनि प्रदोष व्रत, थल सेना दिवस।
१५.१.२०२२	शनिवार	त्रयोदशी
१६.१.२०२२	रविवार	चतुर्दशी	स्नान-दान-व्रत की पूर्णिमा, माघ स्नान प्रारंभ, श्री शाकम्भरी जयन्ती।
१७.१.२०२२	सोमवार	पूर्णिमा	

“कपड़ें और चेहरे अक्सर झूठ बोला करते हैं,
इंसान की असलियत तो वक्त बताता है”।

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

विक्रम संवत् २०७८ माघ कृष्ण पक्ष
(दिनांक १८.१.२०२२ से दिनांक ०१.२.२०२२ तक)

सूर्योदय : ६.२५ बजे

सूर्यास्त : ५.०६ बजे

दिनांक	वार	तिथि	व्रतोत्सव विवरण
१८.१.२०२२	मंगलवार	प्रतिपदा	माघ माह में मूली नहीं खानी चाहिए।
१९.१.२०२२	बुधवार	द्वितीया	दिन-रात।
२०.१.२०२२	गुरुवार	द्वितीया	सुबह ८.०८ बजे तक।
२१.१.२०२२	शुक्रवार	तृतीया	श्री गणेश चतुर्थी व्रत (चन्द्रोदय समय पृष्ठ ८ पर देखे), गौरी चतुर्थी व्रत (प्रदोष में), तिलकुटी चतुर्थी, संकटहर गणपति व्रत, सौभाग्य सुन्दरी व्रत।
२२.१.२०२२	शनिवार	चतुर्थी
२३.१.२०२२	रविवार	पंचमी	नेताजी सुभाष चन्द्र जयंती।
२४.१.२०२२	सोमवार	षष्ठी
२५.१.२०२२	मंगलवार	सप्तमी } अष्टमी }	सुबह ७.५२ बजे के बाद अष्टमी लग जायेगी, श्री रामानन्दाचार्य जयंती, अष्टका श्राद्ध, राष्ट्रीय पर्यटन दिवस।
२६.१.२०२२	बुधवार	नवमी	अन्वष्टका श्राद्ध, भारतीय गणतंत्र दिवस।
२७.१.२०२२	गुरुवार	दशमी
२८.१.२०२२	शुक्रवार	एकादशी	षट् तिला एकादशी व्रत, लाला लाजपत राय जयंती।
२९.१.२०२२	शनिवार	द्वादशी	श्री शनि प्रदोष व्रत, तिल द्वादशी, डेटा संरक्षण दिवस।
३०.१.२०२२	रविवार	त्रयोदशी	श्री मास शिवरात्रि व्रत, मेरु त्रयोदशी (जैन), महात्मा गांधी पुण्य तिथि, शहीद दिवस, कुष्ठ निवारण दिवस।
३१.१.२०२२	सोमवार	चतुर्दशी	पितृकार्य की अमावस्या।
०१.२.२०२२	मंगलवार	अमावस्या	देवकार्य की अमावस्या, भौमवती अमावस्या, श्री माघी अमावस्या, मौनी अमावस्या, प्रयाग स्नान मेला पर्व।

“जब कोई दिल दुखाए तो चुप रहना बेहतर है,
क्योंकि जिन्हें हम जवाब नहीं देते
उन्हें वक्त जवाब देता है”।

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

विक्रम संवत् २०७८ माघ शुक्ल पक्ष
(दिनांक ०२.२.२०२२ से दिनांक १६.२.२०२२ तक)

सूर्योदय : ६.२१ बजे

सूर्यास्त : ५.१६ बजे

दिनांक	वार	तिथि	व्रतोत्सव विवरण
०२.२.२०२२	बुधवार	प्रतिपदा } द्वितीया }	चन्द्रदर्शन, गुप्त नवरात्रा प्रारंभ , कलाश स्थापना-सुबह ७.२६ बजे से सुबह १०.०६ बजे तक लाभ-अमृत बेला, सुबह ११.३० बजे से दोपहर १२.०० बजे तक शुभ बेला में पूजन एवं घट स्थापना करना श्रेष्ठ रहेगा, श्री बल्लाभचार्य जयंती, सुबह ८.३४ बजे के बाद द्वितीया लग जाएगी, बाबा रामदेव बीज ।
०३.२.२०२२	गुरुवार	तृतीया	गौरी तृतीया, मेला ख्वाजा साहब अजमेर शरीफ।
०४.२.२०२२	शुक्रवार	चतुर्थी	वरद (कुंद) चतुर्थी, श्री विनायक चतुर्थी, तिल चतुर्थी, सोपपदा चतुर्थी, विश्व कैसर दिवस।
०५.२.२०२२	शनिवार	पंचमी	श्री बसंत पंचमी, सरस्वती पूजा (बंगाल), श्री राध श्यामसुन्दर पंचमी (वृन्दावन)।
०६.२.२०२२	रविवार	षष्ठी
०७.२.२०२२	सोमवार	सप्तमी	रथ सप्तमी, अचला सप्तमी, पुत्र सप्तमी, श्री नर्मदा जयन्ती, आरोग्य सप्तमी, श्री माधवाचार्य जयंती।
०८.२.२०२२	मंगलवार	अष्टमी	दिन -रात, भीमाष्टमी ।
०९.२.२०२२	बुधवार	अष्टमी	सुबह ८.३२ बजे तक।
१०.२.२०२२	गुरुवार	नवमी	गुप्त नवरात्रा पूर्ण, महानन्दा नवमी, रोहिणी व्रत (जैन)।
११.२.२०२२	शुक्रवार	दशमी
१२.२.२०२२	शनिवार	एकादशी	जया एकादशी व्रत, भैमी एकादशी (बंगाल), श्री श्याम बाबा जागरण, डार्विन दिवस।
१३.२.२०२२	रविवार	द्वादशी	भीष्म द्वादशी, श्री श्याम बाबा द्वादशी, सोपपदा द्वादशी, तिल द्वादशी, सरोजिनी नायडू जयंती।
१४.२.२०२२	सोमवार	त्रयोदशी	श्री सोम प्रदोष व्रत, विश्वकर्मा जयंती (देशाचारे), गुरु गौरखनाथ जयंती।
१५.२.२०२२	मंगलवार	चतुर्दशी	श्री रामचरण रामस्नेही जन्म श्री करपात्री जी पुण्य दिवस।
१६.२.२०२२	बुधवार	पूर्णिमा	स्नान-दान-व्रत की पूर्णिमा, संत रविदास जयन्ती, माघी पूर्णिमा, माघ स्नान पूर्ण, श्री ललिता जयंती ।

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

विक्रम संवत् २०७८ फाल्गुन कृष्ण पक्ष
(दिनांक १७.२.२०२२ से दिनांक ०२.३.२०२२ तक)

सूर्योदय : ६.१३ बजे

सूर्यास्त : ५.२८ बजे

दिनांक	वार	तिथि	व्रतोत्सव विवरण
१७.२.२०२२	गुरुवार	प्रतिपदा
१८.२.२०२२	शुक्रवार	द्वितीया	बसंत ऋतु प्रारम्भ।
१९.२.२०२२	शनिवार	तृतीया	छत्रतति शिवाजी जयंती (नवीन मत से)।
२०.२.२०२२	रविवार	चतुर्थी	श्री गणेश चतुर्थी व्रत (चन्द्रोदय समय पृष्ठ ८ पर देखें), विश्व सामाजिक न्याय दिवस।
२१.२.२०२२	सोमवार	पंचमी	अंतर्राष्ट्रीय मातृ भाषा दिवस।
२२.२.२०२२	मंगलवार	षष्ठी	गुरु (तारा) अस्त पश्चिम में (विवरण पृष्ठ ८ पर देखें)।
२३.२.२०२२	बुधवार	सप्तमी	श्रीनाथ जी पाटोत्सव (श्री नाथद्वारा, राजस्थान) ।
२४.२.२०२२	गुरुवार	अष्टमी	श्री सीताष्टमी पर्व, जानकी जयन्ती, अष्टका श्राद्ध, केंद्रीय उत्पाद शुल्क दिवस।
२५.२.२०२२	शुक्रवार	नवमी	श्री समर्थरामदास नवमी, अन्वष्टका श्राद्ध ।
२६.२.२०२२	शनिवार	दशमी	श्री विजया एकादशी व्रत (स्मार्त)।
२७.२.२०२२	रविवार	एकादशी } द्वादशी }	श्री विजया एकादशी व्रत (वैष्णव), सुबह ८.१६ बजे के बाद द्वादशी लग जाएगी।
२८.२.२०२२	सोमवार	त्रयोदशी	श्री सोम प्रदोष व्रत , राष्ट्रीय विज्ञान दिवस।
०१.३.२०२२	मंगलवार	चतुर्दशी	श्री महाशिवरात्रि व्रत, श्री बैद्यनाथ जयंती, स्वामी दयानंद बोधोत्सव।
०२.३.२०२२	बुधवार	अमावस्या	देवपितृ कार्य की अमावस्या, शिव खप्पर पूजा ।

**“मेहनत इतनी खामोशी करो कि
कामयाबी शोर मचा दे”।**

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

विक्रम संवत् २०७८ फाल्गुन शुक्ल पक्ष

(दिनांक ०३.३.२०२२ से दिनांक १८.३.२०२२ तक)

सूर्योदय : ६.०२ बजे

सूर्यास्त : ५.३६ बजे

दिनांक	वार	तिथि	व्रतोत्सव विवरण
०३.३.२०२२	गुरुवार	प्रतिपदा
०४.३.२०२२	शुक्रवार	द्वितीया	चन्द्रदर्शन, फूलेरा दूज, रामकृष्ण परमहंस जयन्ती, राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस।
०५.३.२०२२	शनिवार	तृतीया
०६.३.२०२२	रविवार	चतुर्थी	श्री विनायकी चतुर्थी व्रत ।
०७.३.२०२२	सोमवार	पंचमी	याज्ञवल्क्य जयन्ती ।
०८.३.२०२२	मंगलवार	षष्ठी	गोरूपिणी षष्ठी (बंगाल), अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस।
०९.३.२०२२	बुधवार	सप्तमी	कामदा सप्तमी।
१०.३.२०२२	गुरुवार	अष्टमी	होलाष्टक प्रारंभ , श्री दादूदयाल जयन्ती, होली अष्टाह्निका विधान प्रारंभ (जैन), रोहिणी व्रत (जैन)।
११.३.२०२२	शुक्रवार	नवमी	दिन-रात ।
१२.३.२०२२	शनिवार	नवमी	सुबह ८.०६ बजे तक ।
१३.३.२०२२	रविवार	दशमी	फगु दशमी (उड़ीसा), श्री दामोदरदेव की आविर्भाव तिथि (असम)।
१४.३.२०२२	सोमवार	एकादशी	आमला की एकादशी (नोट: दोपहर १२.०८ बजे तक भद्रा है, अतः बड़कुला-ढाल थेपने का काम भद्रा (दोपहर १२.०८ बजे) के बाद करना चाहिए), रंगभरी एकादशी, श्री श्याम बाबा जागरण, मीन मलमास प्रारंभ, तीन दिवसीय मेला श्री खाटू श्याम जी (खाटू) में प्रारंभ।
१५.३.२०२२	मंगलवार	द्वादशी	श्री भौम प्रदोष व्रत, श्री श्याम बाबा द्वादशी, मेला श्री खाटू श्याम जी (खाटू), गोविन्द द्वादशी, विश्व उपभोक्ता संरक्षण दिवस ।
१६.३.२०२२	बुधवार	त्रयोदशी
१७.३.२०२२	गुरुवार	चतुर्दशी	चौमासी चौदस (जैन), व्रत की पूर्णिमा, (नोट : दोपहर १.३१ बजे से रात्रि १.१३ बजे तक भद्रा है, अतः जेल पोने का काम भद्रा दोपहर (१.३१ बजे) के पहले करना चाहिए, होलिका दहन -रात्रि १.१३ बजे तक भद्रा है, अतः होलिका दहन रात्रि १.१३ बजे के बाद करना चाहिए।
१८.३.२०२२	शुक्रवार	पूर्णिमा	स्नान-दान की पूर्णिमा, श्री चैतन्य महाप्रभु जयन्ती, छारंडी (रंगोत्सव), वसंतोत्सव, होली अष्टाह्निका विधान पूर्ण (जैन)।

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

विक्रम संवत् २०७८ चैत्र कृष्ण पक्ष

(दिनांक १६.३.२०२२ से दिनांक ०१.४.२०२२ तक)

सूर्योदय : ५.४७ बजे

सूर्यास्त : ५.४३ बजे

दिनांक	वार	तिथि	व्रतोत्सव विवरण
१६.३.२०२२	शनिवार	प्रतिपदा
२०.३.२०२२	रविवार	द्वितीया	संत तुकाराम जयन्ती ।
२१.३.२०२२	सोमवार	तृतीया चतुर्थी	सुबह ८.२२ बजे के बाद चतुर्थी लग जाएगी, श्री गणेश चतुर्थी व्रत (चन्द्रोदय समय पृष्ठ ८ पर देखें), अन्तर्राष्ट्रीय वन दिवस, छत्रतति शिवाजी जयंती (प्राचीन मत से)।
२२.३.२०२२	मंगलवार	पंचमी	श्री रंग पंचमी, विश्व जल दिवस।
२३.३.२०२२	बुधवार	षष्ठी	एकनाथ षष्ठी शहीद दिवस, विश्व मौसम विज्ञान दिवस।
२४.३.२०२२	गुरुवार	सप्तमी	शीतला सप्तमी, श्री शील रंग सप्तमी, गुरु (तारा) उदय पूरब में (विवरण पृष्ठ ८ पर देखें), विश्व क्षय रोग (टी.बी.) दिवस।
२५.३.२०२२	शुक्रवार	अष्टमी	शीतला पूजा, बासोड़ा, ऋषभ देव जन्म दीक्षा वर्षातिप प्रारम्भ (जैन)।
२६.३.२०२२	शनिवार	नवमी
२७.३.२०२२	रविवार	दशमी	दशमाता व्रत, विश्व रंगमंच दिवस।
२८.३.२०२२	सोमवार	एकादशी	पापमोचनी एकादशी व्रत ।
२९.३.२०२२	मंगलवार	द्वादशी	श्री भौम प्रदोष व्रत।
३०.३.२०२२	बुधवार	त्रयोदशी	रंग तेरस, श्री मास शिवरात्रि व्रत ।
३१.३.२०२२	गुरुवार	चतुर्दशी	पितृ कार्य की अमावस्या ।
०१.४.२०२२	शुक्रवार	अमावस्या	देव कार्य की अमावस्या, बैंक वार्षिक खाता बंदी, विक्रम सम्वत् २०७८ सम्पन्न।

“इसांन कहता है कि पैसा आएंगे
तो मैं कुछ करके दिखाऊं,
और पैसा कहता है कि
तू कुछ करके दिखा
तो मैं आऊं”।

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

आरती श्री गणेशजी की

दुन्दाला दुःख भंजना, सदा उजाला भेष ।
सबसे पहले सुमरिये, गौरी-पुत्र गणेश ॥
गौरी नन्दन गुण सदन, देवन के देवेश ।
जंगल में मंगल करो, हर्ता विघ्न कलेश ॥

जय गणेश, जय गणेश, जय गणेश देवा ।
माता जाँकी पार्वती, पिता महादेवा ॥
लङ्कवन का भोग लागे, सन्त करें सेवा ।
पान चढ़े पुष्प चढ़े, और चढ़े मेवा ॥ जय गणेश ॥

एक दंत दयावंत, चार भुजाधारी ।
मस्तक पर सिन्दुर सोहे, मूसे की सवारी ॥ जय गणेश ॥

अंधन को आँख देत, कोढ़ियन को काया ।
बांझन को पुत्र देत, निर्धन को माया ॥ जय गणेश ॥
दीनन की लाज राखो शम्भु-सुत हमारी ।
कामना को पूरी करो जाँऊ बलिहारी ॥ जय गणेश ॥
जय गणेश, जय गणेश, जय गणेश देवा ।
विघ्न विनाशक स्वामी, सुख सम्पत्ति देवा ॥ जय गणेश ॥

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

आरती श्री लक्ष्मीजी की

ॐ जय लक्ष्मी माता, (मैया) जय लक्ष्मी माता ।
तुमको निशिदिन सेवत, हर विष्णु धाता ॥ ॐ ॥
उमा, रमा, ब्रह्माणी रुद्राणी तू ही जग माता ।
सूर्य चन्द्रमा ध्यावत, नारद ऋषि गाता ॥ ॐ ॥
दुर्गा रूप निरंजनि, सुख-सम्पति दाता ।
जो कोई तुमको ध्यावत, ऋद्धि-सिद्धि धन पाता ॥ ॐ ॥
तुम पाताल-निवासिनी, तू ही है शुभदाता ।
कर्म-प्रभाव प्रकाशिनी, भवनिधि की त्राता ॥ ॐ ॥
जिस घर तुम रहती, तहँ सब सद्गुण आता ।
सब सम्भव हो जाता, मन नहीं घबराता ॥ ॐ ॥
तुम बिन यज्ञ न होते, वस्त्र न कोई पाता ।
खान-पान का वैभव सब तुमसे आता ॥ ॐ ॥
शुभ-गुण मंदिर सुन्दर क्षीरोदधि जाता ।
रत्न चतुर्दश तुम बिन कोई नहीं पाता ॥ ॐ ॥
महालक्ष्मी जी की आरती, जो कोई नर गाता ।
उर आनन्द समाता, पाप उतर जाता ॥ ॐ ॥

॥ श्री हनुमते नमः ॥

॥ ॐ श्री श्याम देवाय नमः ॥

॥ श्री गणेशाय नमः ॥



**मारवाड़ी समाज पर आधारित
वैवाहिक नेगचार**

श्री मोती वैवाहिक कार्यक्रम पुस्तिका



प्रकाशक एवं सम्पादक :

पूरन चन्द्र शर्मा (पत्रकार)

“मातृछाया” ए-38, वसुंधरा आवासन (उत्तरकन्या के पास)

सिलीगुड़ी - 734015, मोबाइल - 98320-66383

email : motipanchang@gmail.com